● जयपुर, शनिवार, 13 जुलाई 24 ● वर्ष 13 ● अंक 315 ● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 1 रुपये

www.chamaktarajasthan.in| Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com

डाक पंजीयन संख्या: RJ/JPC/D19/2024-25

RNI. No. RAJHIND/2011/40950

दैनिक राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त

सच के साथ मजबूती से बढ़ाये क़दम

चमकता राजस्थान

विज्ञापन के लिए : 93145 05000

जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित

अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, बीकानेर से प्रसारित

सुविचार

''सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।''

● स्वामी विवेकानंद

पेज @3 डीएसटी व साइबर सेल ने गैंगवार की योजना को किया नाकाम, पांच...

पेज @4 पचलंगी ओम शिव गौशाला में धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन आज...

पेज @8 जो बजट में है वह निश्चित रूप से धरातल पर लागू होंगे, हम विकसित...

कृषक हितैषी बजट के लिए प्रदेशभर से आए किसानों ने जताया मुख्यमंत्री का आभार

अन्नदाता के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध, किसान का आर्थिक सशक्तीकरण हमारा संकल्प, देश में सर्वाधिक शासन करने वालों ने नहीं की किसान की चिंता: मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

चमकता राजस्थान

राज्य बजट में कृषक कल्याण के लिए 96 हजार करोड़ रुपये से अधिक का प्रावधान

जयपुर, 12 जुलाई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि किसान देश के अन्नदाता हैं। करोड़ों देशवासियों का पेट भरने के साथ ही वे देश और राज्य की अर्थव्यवस्था में भी महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प के अनुरूप राज्य सरकार किसानों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने और उनके घरों में खुशहाली लाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

शर्मा शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास पर परिवर्तित बजट-2024-25 में कृषि संबंधी ऐतिहासिक घोषणाओं के लिए किसानों द्वारा अभिनन्दन और आभार समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार भी किसानों को खुशहाल बनाने के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रही है। हमने सरकार का गठन होते ही पूर्वी राजस्थान के लिए अति महत्वपूर्ण ईआरसीपी योजना के लिए केंद्र और मध्यप्रदेश सरकार के साथ ऐतिहासिक समझौता किया। साथ ही, शेखावाटी क्षेत्र की प्यास बुझाने के लिए यमुना जल समझौते को भी मूर्त रूप दिया, जबकि पूववर्ती सरकार ने इस संबंध में केंद्र और हरियाणा सरकार से कभी पत्र व्यवहार तक नहीं किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसान सम्मान निधि को 6 हजार से बढ़ाकर 8 हजार रुपए करने तथा गेहूं की एमएसपी बढ़ाने तथा पशुपालकों के लिए गोपाल क्रेडिट कार्ड के माध्यम से 1 लाख रुपए तक का ऋण देने जैसे निर्णय हमारी किसान एवं पशुपालक हितैषी नीति का प्रतीक हैं।

बजट में किसानों को मिली अनेक सौगातें

शर्मा ने कहा कि किसान परिवारों के आर्थिक सशक्तीकरण का संकल्प पूरा करने के लिए राज्य के परिवर्तित बजट 2024-25 में कृषि विकास एवं कृषक कल्याण के लिए 96 हजार करोड़ रुपये से भी अधिक का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि राजस्थान इरीगेशन वाटर ग्रिड मिशन के अन्तर्गत 50 हजार करोड़ रुपये तथा रन ऑफ वाटर ग्रिड के अन्तर्गत 30 हजार करोड़ रुपये से अधिक के कार्य करवाये जायेंगे। इसके साथ ही राजस्थान कृषि विकास योजना के तहत 650 करोड़ रुपए के कार्य कराए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बजट में इंदिरा गांधी नहर परियोजना के द्वितीय चरण में एक हजार 430 करोड़ रुपये से अधिक की लागत के कार्य करवाने, एक लाख 45 हजार कृषि विद्युत कनेक्शन जारी करने तथा ऊँटपालकों को सहायता राशि बढ़ाकर 20 हजार रुपये प्रतिवर्ष करने सहित अनेक प्रावधान किए गए हैं। उन्होंने कहा कि बजट में 'कुसुम योजना' के माध्यम से किसान भाइयों को दिन के समय में सिंचाई के लिए बिजली दिये जाने का कार्य वर्ष 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इससे किसान भी दिन में खेती संबंधी कार्य निपटाकर सरकारी कर्मचारियों की तरह शाम को घर लौट सकेंगे।

शर्मा ने कहा कि इस वर्ष 23 हजार करोड़ रुपये के ब्याज मुक्त अल्पकालीन फसली ऋण वितरित किये जाएंगे। इसके अंतर्गत 5 लाख नये किसान भी ऋण प्राप्त कर सकेंगे। इसके लिए 736 करोड़ रुपये ब्याज अनुदान दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि बजट में भूमि सुधार के लिए सहकारी बैंकों द्वारा दिये जाने वाले दीर्घकालीन कृषि ऋणों का दायरा भी बढ़ाते हुए 100 करोड़ रुपये कर दिया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में 500 नये फार्मर प्रोड्यूसर ऑर्गेनाइजेशन, 150 ग्राम सेवा सहकारी समितियों में 100 से 500 मीट्रिक टन क्षमता के गोदामों का निर्माण करवाया जाएगा। साथ ही राजस्थान एग्रीकल्चर एंड हॉर्टीकल्चर मिशन एवं ऑर्गेनिक एंड कन्वेंशनल फार्मिंग बोर्ड का गठन किया जायेगा। इसके अतिरिक्त उन्नत तकनीक को बढ़ावा देने तथा किसानों को प्रशिक्षित करने के लिए 10 एग्रो क्लाइमेंट जोन में 2-2 कलस्टर विकसित किये जाएंगे।

उन्होंने कहा कि किसानों के लिए पशुपालन बड़ा आर्थिक संबल है। इसको ध्यान में रखते हुए पशुपालन संवर्द्धन, संरक्षण एवं विकास के लिए 250 करोड़ रुपये के प्रावधान के साथ मुख्यमंत्री पशुपालन विकास कोष का गठन किया जाएगा। श्री शर्मा ने कहा कि गोवर्धन जैविक उर्वरक योजना के तहत गौवंश से जैविक खाद का उत्पादन करने के लिए 10 हजार रुपए तक की प्रति कृषक आर्थिक सहायता दी जाएगी।

इस अवसर पर केन्द्रीय कृषि एवं कृषक कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी, सांसद सी.पी. जोशी, देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष ओमप्रकाश भड़ाना सहित बड़ी संख्या में किसान एवं आमजन उपस्थित थे।

देश में सर्वाधिक शासन करने वालों ने नहीं की किसान की चिंता

» मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे देश में प्राचीन काल से ही कृषि को उत्तम आजीविका का दर्जा दिया जाता रहा है, मगर देश में सबसे लम्बे समय तक शासन करने वालों ने कभी भी किसानों की चिंता नहीं की और गांव तथा शहर में भेदभाव किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 के बाद देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किसानों के दर्द को समझा और उनके जीवन स्तर में बदलाव के संकल्प के साथ कई महत्वपूर्ण योजनाएं शुरू कीं।

किसानों ने ढोल-मंजीरे बजाकर की खुशी जाहिर

» ऐतिहासिक परिवर्तित बजट 2024–25 में किसानों के लिए दी गई अनेक सौगातों से किसान बेहद खुश नजर आए। किसानों ने ढोल–मंजीरे बजाकर अपनी खुशी जाहिर की। राज्य के श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, सीकर, झुंझुनूं, अजमेर, पाली, दौसा तथा अलवर सहित विभिन्न जिलों से आए किसानों ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस बजट में सरकार द्वारा कृषक कल्याण के लिए भारी बजट का आवंटन यह दर्शाता है कि यह किसान हितैषी सरकार है। किसानों ने मुख्यमंत्री की मुक्त कंठ से प्रशंसा की और 'किसानों को मिला पूरा सम्मान, विकसित बनता राजस्थान' जैसे नारे भी लगाए। उन्होंने मुख्यमंत्री को प्रतीक स्वरूप हल और बाजरे की बालियां भेंट की। मुख्यमंत्री ने इस दौरान किसानों से संवाद भी किया।

एक नजर

चाईबासा में युवक की गला रेतकर हत्या, गोली भी मारी

चाईबासा। पश्चिम सिंहभूम जिला के अति नक्सल प्रभावित सोनुआ थाना क्षेत्र में एक युवक की धारदार हथियार से गला रेतकर और गोली मारकर हत्या कर दी गई है। हत्या के कारणों का पता अब तक नहीं चल पाया है। समाचार लिखे जाने तक युवक का पहचान नहीं हो पाया है। बताया जाता है कि सोनुआ थाना क्षेत्र के अति नक्सल प्रभावित नचलदा गांव में गुरुवार की रात एक अज्ञात युवक का धारदार हथियार से काटकर हत्या कर दी गई। सूचना है कि उसके मोटरसाइकिल को भी जला दिया गया है। अतिनक्सल प्रभावित क्षेत्र होने के कारण घटना की जानकारी शुक्रवार को ग्रामीणों को मिली तो इसकी सूचना सोनुआ थाना पुलिस को दी गई। इस संबंध में पोड़ाहाट डीएसपी पारस राणा ने बताया कि पुलिस जांच-पड़ताल कर रही है।

बिभव कुमार की जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट के जस्टिस अनूप कुमार मेंहदीरत्ता की बेंच ने आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल के साथ मारपीट मामले में बिभव कुमार की जमानत याचिका खारिज कर दी है। कोर्ट ने 10 जुलाई को फैसला सुरक्षित रख लिया था। हाई कोर्ट की वेकेशन बेंच ने 14 जून को बिभव की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया था। बिभव कुमार ने तीस हजारी कोर्ट की ओर से जमानत याचिका खारिज करने के आदेश को हाई कोर्ट में चुनौती दी थी। तीस हजारी कोर्ट ने कहा था कि इस बात की भी आशंका है कि अगर बिभव कुमार को जमानत दी जाती है तो वो गवाहों को प्रभावित कर सकता है।

आतंकी साजिश मामले में एनआईए ने दाखिल किया आरोप पत्र

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने वैश्विक आतंकी नेटवर्क के छत्रपति संभाजीनगर (औरंगाबाद), महाराष्ट्र से जुड़े मॉड्यूल से जुड़े आईएसआईएस आतंकी साजिश मामले में दो लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया है। एनआईए ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। एनआईए के मुताबिक इस साल फरवरी में कई स्थानों पर तलाशी के बाद गिरफ्तार किए गए मोहम्मद जोहेब खान के खिलाफ लीबिया स्थित मोहम्मद शोएब खान के साथ मिलकर आईएसआईएस के भारत विरोधी एजेंडे को बढ़ावा देने की साजिश में आरोप पत्र दाखिल किया है।

भारत सरकार हर साल 25 जून को मनाएगी 'संविधान हत्या दिवस'

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत सरकार अब से हर वर्ष 25 जून को 'संविधान हत्या दिवस' के रूप में मनाएगी। यह दिन उन सभी लोगों के विराट योगदान का स्मरण करायेगा, जिन्होंने 1975 के आपातकाल के अमानवीय दर्द को झेला था। केन्द्र सरकार ने इस संबंध में अधिसूचना जारी की है। गृह मंत्री अमित शाह ने आज अधिसूचना पर सोशल मीडिया में कहा कि 'संविधान हत्या दिवस' हर भारतीय के अंदर लोकतंत्र की रक्षा और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की अमर ज्योति को जीवित रखने का काम करेगा, ताकि कांग्रेस जैसी कोई भी तानाशाही मानसिकता भविष्य में इसकी पुनरावृत्ति न कर पाए। शाह ने कहा कि 25 जून 1975 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गाँधी ने अपनी तानाशाही मानसिकता को दर्शाते हुए देश में आपातकाल लगाकर भारतीय लोकतंत्र की आत्मा का गला घोंट दिया था। लाखों लोगों को अकारण जेल में डाल दिया गया और मीडिया की आवाज को दबा दिया गया।

18 महीने बाद सत्ता से बाहर हुए प्रधानमंत्री 'प्रचंड'

एजेंसी

काठमांडू। प्रधानमंत्री पुष्पकमल दहल 'प्रचंड' संसद में विश्वास मत हासिल करने के दौरान पराजित हो गए हैं। विश्वास मत खोने के साथ ही प्रचंड 18 माह बाद सत्ता से बाहर हो गए हैं। राष्ट्रपति कानूनी परामर्श ले रहे हैं और नई सरकार का गठन जल्द ही किए जाने की उम्मीद है।

प्रधानमंत्री प्रचंड ने आज प्रतिनिधि सभा में अपना विश्वास हासिल करने के लिए प्रस्ताव रखा। विश्वास मत के पक्ष में सिर्फ 63 सांसदों ने मतदान किया, जबकि विश्वास मत के विरोध में 194 सांसदों ने वोट डाला। विश्वास मत में पराजित होने के साथ ही संवैधानिक प्रावधानों के तहत प्रचंड 18 माह बाद सत्ता से बाहर हो गए हैं।

विश्वास मत के दौरान माओवादी, राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी और एकीकृत समाजवादी पार्टी के सांसदों ने उनके पक्ष में मतदान किया। नेपाली कांग्रेस, नेकपा एमाले, राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी, जनता समाजवादी पार्टी, जनमत पार्टी, लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी, नागरिक उन्मुक्ति पार्टी के सांसदों ने विपक्ष में मतदान किया।

मतविभाजन के क्रम में सदन में कुल 258 सांसदों की उपस्थिति रही। सदन में उपस्थित नेपाल मजदूर किसान पार्टी के एक सांसद ने खुद को मतदान प्रक्रिया से अलग रखा। राष्ट्रीय जनमोर्चा, आम जनता पार्टी और दो स्वतंत्र सांसद मतदान के दौरान अनुपस्थित रहे। अब इसके बाद राष्ट्रपति की तरफ से नई सरकार का गठन किए जाने की तैयारी है।

हवाई अभ्यास ऑस्ट्रेलिया के एयर फोर्स बेस डार्विन में शुरू हुआ हवाई अभ्यास 'पिच ब्लैक'

लड़ाकू सुखोई-30 एमकेआई भी दिखाएगा करतब

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के एयर फोर्स बेस डार्विन में वायु सेनाओं के बीच हवाई अभ्यास 'पिच ब्लैक' शुरू हो गया है। रॉयल ऑस्ट्रेलियन एयर फोर्स (आरएएएफ) की मेजबानी में यह अभ्यास 02 अगस्त तक चलेगा। इस बार अभ्यास 'पिच ब्लैक' 43 वर्ष लम्बे इतिहास में सबसे भव्य होगा, जिसमें 20 देश शामिल हो रहे हैं। इस दौरान विभिन्न वायु सेनाओं के 140 से अधिक विमान और 4400 वायु सेना कर्मी भाग ले रहे हैं।

भारतीय वायु सेना की एक टुकड़ी अभ्यास में भाग लेने के लिए गुरुवार को ऑस्ट्रेलिया पहुंच चुकी है। यह रॉयल ऑस्ट्रेलियन एयर फोर्स की मेजबानी में बहुराष्ट्रीय व द्विवार्षिक वायु अभ्यास है। इस अभ्यास का नाम 'पिच ब्लैक' बड़े और निर्जन क्षेत्रों में रात्रि के समय उड़ान भरने पर जोर देने के कारण रखा गया था। यह अभ्यास बड़े पैमाने पर सैन्य तैनाती वाली युद्धक गतिविधियों पर केंद्रित होगा, जिसका उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय सहयोग को और बढ़ावा देना है। इसमें एफ-35, एफ-22, एफ-18, एफ-15, ग्रिपेन और टाइफून लड़ाकू विमान शामिल होंगे। अभ्यास में भारतीय वायु सेना का लड़ाकू सुखोई-30 एमकेआई भी अपने करतब दिखाएगा।

अभ्यास में भाग लेने वाले देशों को लंबी दूरी पर विमानों की तैनाती करने, हिंद-प्रशांत क्षेत्र में एकीकृत संचालन का सहयोग करने और अत्यधिक चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में सशक्त विमानन संपर्क संगठन बनाने की क्षमता को विस्तार देने का मौका देगा। भारतीय वायु सेना ने इससे पहले अभ्यास 'पिच ब्लैक' के 2018 और 2022 संस्करण में अपनी भागीदारी की है।

भारतीय दल में 150 से वायु कर्मी शामिल

भारतीय वायु सेना के दल में पायलट, इंजीनियर, तकनीशियन, नियंत्रक और अन्य विषय विशेषज्ञों सहित 150 से अधिक उच्च कुशल वायु कर्मी शामिल हैं, जो शक्तिशाली सुखोई-30 एमकेआई बहुउद्देशीय लड़ाकू विमानों के साथ-साथ विशालकाय सी-17 ग्लोबमास्टर और हवा से हवा में ईंधन भरने वाले आईएल-78 विमानों का संचालन करेंगे। यह अभ्यास भारतीय वायु सेना को प्रतिभागी देशों के साथ बल एकीकरण और सर्वोत्तम कार्य प्रणालियों के पारस्परिक आदान-प्रदान का अवसर उपलब्ध कराएगा।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने जताया विकासोन्मुखी बजट के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार

चमकता राजस्थान

जयपुर, 12 जुलाई। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने आज विधायक श्री चंद कृपलानी के साथ मुख्यमंत्री निवास पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से भेंट कर विकासोन्मुखी एवं सभी वर्गों के उत्थान में सहायक बजट के लिए आभार जताया।

इस दौरान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से अपने क्षेत्र के किसानों एवं आमजन से जुड़ी विभिन्न योजनाओं और सौगातों को देने के लिए विशेष धन्यवाद दिया। साथ ही प्रदेश एवं क्षेत्र के विकास के लिए महत्वपूर्ण कार्य एवं योजनाओं पर चर्चा की। अपने क्षेत्र चित्तौड़गढ़ के किसानों से जुड़ी डोडा चुरा की योजनाओं के बारे में भी विस्तृत बात की।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से किसानों से जुड़ी डोडा चुरा की योजनाओं के बारे में विस्तृत बात की।

वित्तीय स्थिरता प्रतिवेदन और भारत की वित्तीय प्रणाली

जून 2024 के अंतिम सप्ताह में 27 जून 2024 को, भारतीय रिजर्व बैंक ने वित्तीय स्थिरता प्रतिवेदन जारी किया है। यह प्रतिवेदन वर्ष में दो बार, 6 माह के अंतराल पर जारी किया जाता है। इस प्रतिवेदन में बताया गया है कि भारतीय अर्थव्यवस्था और भारत की वित्तीय प्रणाली लगातार मजबूत बनी हुई है और बेहतर तुलन पत्र के आधार पर भारत के बैंक एवं वित्तीय संस्थान लगातार ऋण विस्तार के माध्यम से देश की आर्थिक गतिविधियों में तेजी लाने में अपनी प्रभावी भूमिका का सफलतापूर्वक निर्वहन कर रहे हैं।

31 मार्च 24 को समाप्त वित्तीय वर्ष में भारतीय अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों का पूंजी पर्याप्तता अनुपात 16.8 प्रतिशत का रहा है तथा सकल अनर्जक आस्ति अनुपात पिछले कई वर्षों के सबसे निचले स्तर अर्थात 2.8 प्रतिशत पर एवं निवल अनर्जक आस्ति अनुपात केवल 0.6 प्रतिशत पर आ गया है जो अपने आप में रिकॉर्ड है। न केवल अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक मजबूत बने हुए हैं अपितु गैर–बैंकिंग वित्तीय कंपनियां भी स्वस्थ बनी हुई हैं, जिनका पूंजी पर्याप्तता अनुपात 26.6 प्रतिशत, सकल अनर्जक आस्ति अनुपात 4.0 प्रतिशत और आस्तियों पर प्रतिलाभ 3.3 प्रतिशत रहा है। पूंजी पर्याप्तता अनुपात का मजबूत स्थिति में रहने का आशय यह है कि इन बैंकों के पास पर्याप्त मात्रा में पूंजी उपलब्ध है और इन बैंकों में किसी प्रकार की आर्थिक परेशानी आने पर यह बैंक सफलतापूर्वक उस आर्थिक परेशानी का सामना कर सकते हैं। वहीं दूसरी ओर, अनर्जक आस्ति अनुपात का सबसे कम स्तर पर आने का आशय यह है कि बैकों द्वारा प्रदान किए जा रहे ऋणों की अदायगी समय पर हो रही है एवं इन ऋणों पर पर कोई दबाव दिखाई नहीं दे रहा है। उक्त प्रतिवेदन में भारतीय रिजर्व बैंक ने भारतीय अर्थव्यवस्था में पनप रहे कुछ जोखिमों की ओर भी इशारा किया है। हालांकि वैश्विक स्तर पर कई विकसित देशों द्वारा अभी भी सख्त मौद्रिक नीति का अनुपालन किया जा रहा है एवं इन देशों द्वारा ब्याज दरों को अभी भी उच्च स्तर पर बनाए रखा गया है क्योंकि मुद्रा स्फीति की दर इन देशों में स्वीकार्य स्तर तक नीचे नहीं आ पाई है।

भारत के लिए जरूर इस प्रकार के जोखिम कमजोर पड़े हैं क्योंकि भारत में मुद्रा स्फीति की दर को नीचे लाने में सफलता मिली है। परंतु, भारत में एक तो विशेष रूप से कोविड महामारी के बाद से नागरिकों पर ऋण का अतिरिक्त बोझ बड़ा है और दूसरे भारतीय नागरिकों की वित्तीय बचत की दर में कमी आई है। उक्त प्रतिवेदन में विशेष रूप से इन दो जोखिमों की ओर ध्यान दिलाया गया है। भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार वित्तीय वर्ष 2022–23 में नागरिकों की बचत दर घटकर सकल घरेलू उत्पाद के 18.4 प्रतिशत तक नीचे आ गई है जो वर्ष 2013 से 2022 के बीच में औसतन 20 प्रतिशत की रही है। इसी प्रकार, एक अन्य मानक के अनुसार, वर्ष 2013 से 2022 के बीच भारतीय नागरिक अपनी कमाई का औसतन 39.8 प्रतिशत भाग बचत करते थे परंतु वित्तीय वर्ष 2022–23 में यह भाग घटकर 28.5 प्रतिशत तक नीचे आ गया है। बचत, दरअसल, दो प्रकार की होती है, एक वित्तीय बचत और दूसरे, सम्पत्ति निर्मित करने हेतु बचत। भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार, भारतीय नागरिकों की वित्तीय बचत जरूर कम हुई है परंतु संपत्ति निर्मित करने हेतु की गई बचत में वृद्धि दृष्टिगोचर है। जैसे, मकान बनाने, कार खरीदने के लिए की गई बचत को संपत्ति निर्मित करने के लिए की गई बचत की श्रेणी में रखा जाता है।

हाल ही के वर्षों में संपत्ति बनाने के लिए बचत का रुझान बहुत तेजी से आगे बढ़ा है। आवास एवं कार आदि जैसी संपत्तियां खरीदने हेतु भारत में मध्यवर्गीय परिवार अपनी बचत के साथ ही बैकों से ऋण लेकर भी इन सम्पत्तियों का निर्माण कर रहे हैं। इससे अर्थव्यवस्था के चक्र में भी तेजी दिखाई देने लगी है क्योंकि मकान बनाने के लिए स्टील, सिमेंट, आदि पदार्थों की खपत भी बढ़ रही है एवं इन उत्पादों का उत्पादन भी विनिर्माण इकाईयों द्वारा अधिक मात्रा में किया जा रहा है, इससे देश में रोजगार के अवसर भी निर्मित हो रहे हैं। कुल मिलाकर, इससे देश के अर्थ चक्र में तेजी दिखाई देने लगी है। साथ ही, वित्तीय बचत कम इसलिए भी हो रही है क्योंकि अब देश का पढ़ा लिखा नागरिक वित्तीय रूप से अधिक साक्षर हो गया है एवं अब यह स्थिति समझने लगा है कि बैंकों एवं पोस्ट ऑफिस में बचत करने पर मिल रहे ब्याज की तुलना में शेयर (पूंजी) बाजार में निवेश करने तथा सोने एवं चांदी जैसे पदार्थों में निवेश करने से अधिक आय का अर्जन संभव होता दिखाई दे रहा है। साथ ही, भूमि का टुकड़ा खरीदकर उस पर भवन का निर्माण कर तुलनात्मक रूप से अधिक आय का अर्जन किया जा सकता है। अतः बैकों एवं पोस्ट ऑफ़िस के स्थान पर अब देश के नागरिक देश के पूंजी बाजार में अपनी बचत का निवेश करने लगे हैं। दूसरे, मध्यवर्गीय परिवार अब अपने बच्चों की शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं पर अधिक ध्यान देने लगे हैं। इससे, इनकी कुल आय का अधिक प्रतिशत अब इन मदों पर खर्च होता दिखाई दे रहा है, इससे अंततः इन परिवारों की बचत में भी कमी दृष्टिगोचर हो रही है। इसी कारण के चलते नागरिकों की शुद्ध वित्तीय बचत में 11.3 प्रतिशत की भारी भरकम गिरावट दर्ज हुई है जो वर्ष 2022–23 में 28.5 प्रतिशत की रही है और पिछले 10 वर्षों के दौरान औसतन 39.8 प्रतिशत की रही थी।

कोरोना महामारी के दौरान चूंकि पूरे देश में लाक्डाउन लगाया गया था अतः इस दौरान भारत में घरेलू बचत दर बढ़कर 51.7 प्रतिशत तक पहुंच गई थी। परंतु कोरोना महामारी के बाद जैसे ही लाक्डाउन को हटाया गया, नागरिकों ने अपने खर्चों में वृद्धि करना शुरू कर दिया एवं आस्तियों में निवेश भी करना शुरू किर दिया था, इससे घरेलू बचत की दर में भारी भरकम गिरावट दर्ज हुई है। अब तो देश के नागरिक आस्तियों में निवेश करने के उद्देश्य से बैकों से ऋण प्राप्त करने में भी किसी प्रकार की कठिनाई का अनुभव नहीं कर रहे हैं। इस संबंध में भारतीय बैकों ने भी अपने नियमों को शिथिल किया है। इससे भारत में ऋण में वृद्धि दर लगातार 15 प्रतिशत से ऊपर बनी हुई है वहीं जमाराशि में वृद्धि दर लगातार कम होती जा रही है जिसका प्रभाव वृद्धात्मक ऋण:जमा अनुपात पर भी पड़ता दिखाई दे रहा है जो अब 100 प्रतिशत के आसपास पहुंच गया है। एक और दिलचस्प पहलू यह भी उभरकर सामने आया है कि अब पर्यावरण में हो रहे परिवर्तन को भी वित्तीय जोखिम की तरह ही माना जा रहा है। अर्थात, अब जलवायु जोखिम एवं साइबर जोखिम को भी गम्भीर खतरे के रूप में देखा जा रहा है। आगे आने वाले समय में इन दोनों जोखिमों की वजह से भारतीय वित्तीय प्रणाली पर भारी दबाव पड़ सकता है। जलवायु परिवर्तन के चलते तो भारत की मौद्रिक नीति पर भी प्रभाव पड़ सकता है जिससे अंततः वित्तीय तंत्र के लिए भी जोखिम बढ़ सकता है।

रूस व ऑस्ट्रिया की यात्राओं से भारत की नयी उड़ान

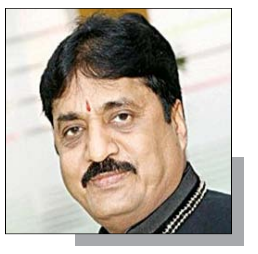

ललित गर्ग

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रूस और ऑस्ट्रिया की यात्रा के निष्कर्षों के साथ-साथ इसके वैश्विक निहितार्थ भी तलाशे जा रहे हैं। इन दोनों देशों की राजकीय यात्रा अनेक दृष्टियों से नई उम्मीदों को पंख लगाने के साथ भारत को शक्तिशाली बनाने वाली होगी। दोनों देशों की यात्रा के दौरान हुए विभिन्न समझौते भारत की तकनीकी एवं सामरिक जरूरतों को पूरा करने में अहम कदम साबित होंगे। सैन्य उत्पाद, व्यापार व उद्योग के साथ-साथ प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में रूस और ऑस्ट्रिया के साथ द्विपक्षीय सहयोग ने नई उम्मीदें जगाई हैं। इन यात्राओं के दौरान प्रधानमंत्री ने जो प्रयास किए वे मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भरता के प्रयास, नये भारत-सशक्त भारत एवं सतत विकास की प्राप्ति में सहायक सिद्ध होंगे। निश्चित ही प्रधानमंत्री मोदी के प्रति इन दोनों देशों में जो सम्मानभावना देखने को मिली, उससे यही कहा जा सकता है कि मोदी विश्व-नेता के रूप में स्वतंत्र पहचान एवं प्रतिष्ठा प्राप्त कर रहे हैं, जो भारत के लिये शुभ है।

निश्चित तौर पर वैश्विक राजनीति में अपनी चमक के साथ आगे बढ़ते भारत के लिये रूस की यात्रा कई मायनों में बहुत उपयोगी एवं दूरगामी रही। इस यात्रा के दौरान भारत और रूस के बीच हुई 22वीं द्विपक्षीय बैठक में हुए नए समझौते काफी अहम हैं। रूस के युद्ध में फंसे होने के कारण रक्षा जरूरतों से संबंधित आपूर्ति में बाधा होना हमारे लिए चिंता की बात थी लेकिन मेक इन इंडिया के तहत भारत में ही रक्षा उपकरणों के स्पेयर पार्ट्स का प्लांट लगाने पर सहमति जताकर पुतिन ने बड़ी चिंता का समाधान कर दिया है। दोनों देशों के बीच का व्यापार 2030 तक 65 अरब डॉलर से बढ़ाकर 100 अरब डॉलर तक करने पर भी सहमति बनी है। यह भारत-रूस के विशेष रिश्ते को और मजबूत करने वाले होंगे। भारत-रूस की दोस्ती की गर्माहट से चीन एवं पाकिस्तान की बौखलाहट भी देखने को मिली है।

यूक्रेन और गाजा में युद्धों की पृष्ठभूमि के बीच प्रधानमंत्री मोदी की रूस और ऑस्ट्रिया की यात्रा पर दुनिया की नजरे लगी रही। एक ध्रुवीय विश्व व्यवस्था बनाए रखने की कोशिश कर रहे अमरीका और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था में अपना हित देख रहे रूस के बीच भारत की स्थिति एवं उसकी बढ़ती ताकत का भी विश्लेषण किया जा रहा है। मास्को में प्रधानमंत्री मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के गले मिलने पर यूक्रेन की नाराजगी के बावजूद अमरीका की सधी प्रतिक्रिया सामने आयी कि इससे उसके भारत से रिश्तों पर कोई असर नहीं होगा। निश्चित ही इससे यह साफ हो जाता है कि दुनिया अब एक या दो ध्रुवीय नहीं रही। अमेरीका यह जान रहा है कि चीन के तानाशाही भरे रवैये से निपटने के लिए भारत का साथ आवश्यक है। वास्तव में इस आवश्यकता ने भी अमेरीका में भारत की अहमियत

बढ़ाने का काम किया है। यह अहमियत यही बता रही है कि अब भारत का समय आ गया है। वास्तव में आज अमेरीका ही नहीं, विश्व का हर प्रमुख देश भारत को अपने साथ रखना आवश्यक समझ रहा है। कहना न होगा कि वैश्विक मंच पर योग का विषय हो, या अहिंसा का या फिर आतंकवाद से निपटने का, जलवायु परिवर्तन का मसला हो या फिर जी-20 देशों की अध्यक्षता की बात, भारत, दुनिया को नई दिशा दे रहा है, नई उम्मीदें जगा रहा है।

एक नई ताकत एवं सशक्त अर्थ-व्यवस्था के साथ एक नया ध्रुव बनकर उभर रहा भारत समूची दुनिया की नजरों का ताज बना हुआ है। भारत अब बिना किसी दबाव के किसी भी अन्य ताकतवर देश की नाराजगी मोल लेने का हौसला रखता है। शीतयुद्ध के दौर में दो ध्रुवीय विश्व व्यवस्था के बाद एक ध्रुवीय व्यवस्था का अनुभव दुनिया को मिल चुका है। अब बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था में ही संभावनाएं देखी जा रही हैं। ग्लोबल साउथ की आवाज बन भारत वैश्विक भूमिका को खुलकर प्रदर्शित भी कर रहा है। वैसे भी भारत एक बड़े देश के पाले में कभी नहीं रहा। अनेक संकटों से घिरा होकर भी भारत अपनी बात बुलन्दी के साथ दुनिया के सामने रखता रहा है, नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री के तीनों कार्यकाल में भारत ने अपने शक्तिशाली होने का भान कराया है।

भारत की रूस से दोस्ती तो बहुत पुरानी है, लेकिन अमरीका, ऑस्ट्रिया या अन्य नए देशों से दोस्ती का यह मतलब नहीं है कि अपने पुराने साथियों से दूर हो जाएं। इजरायल और फिलिस्तीन के मामले में भी यह देखा जा सकता है। इजरायल से नई दोस्ती के बावजूद फिलिस्तीन पर हमारी रणनीति नहीं बदली है। उसी तरह रूस से अच्छे संबंध का यह मतलब नहीं कि यूक्रेन के मामले में उसे क्लीन चिट दे दें। यही वजह है कि राष्ट्रपति पुतिन को मोदी ने शांति का पाठ पढ़ाने में कोई हिचक नहीं दिखाई। भारत की इस भूमिका के बीच अब अमरीका भी यह कहने में संकोच नहीं कर रहा है कि भारत को यूक्रेन युद्ध रोकने की पहल करनी चाहिए। फिलहाल शांति के पक्षधर अन्य देश भारत के साथ मिलकर रास्ता खोजने की पहल कर रहे हैं। ऑस्ट्रिया का रूस और यूक्रेन के बीच संभावित समझौता वार्ता का मंच बनने की इच्छा जाहिर करना यही बताता है। भारत अहिंसा एवं शांति का हिमायती का देश है और मानता है कि युद्ध से किसी भी समस्या का हल नहीं हो सकता। युद्ध केवल बर्बादी और तबाही लेकर ही आता है। रूस व यूक्रेन के बीच जो सीमा विवाद है वह इन देशों के बीच का मामला है और भारत शुरू से ही कहता रहा है कि इस समस्या का हल केवल बातचीत से ही होना चाहिए। श्री मोदी ने रूस की यात्रा के दौरान भी भारत का यही रुख सामने रखा और स्पष्ट किया कि किसी भी झगड़े को निपटाने का रास्ता केवल वार्तालाप ही हो सकता है। श्री मोदी ने रूस से आस्ट्रिया पहुंच कर भी इस रुख को और खोला और कहा कि भोले-भाले लोगों की हत्या कभी भी स्वीकार्य नहीं हो सकती। इजराइल-फिलिस्तीन युद्ध के सन्दर्भ में इस तथ्य को अमेरिका को ही सबसे पहले समझना चाहिए।

प्रधानमंत्री मोदी की रूस यात्रा से क्या चीन की बढ़ती महत्त्वाकांक्षाओं पर असर पड़ेगा? क्योंकि रूस एवं चीन के बीच बढ़ती मित्रता एवं प्रगाढ़ता समूची दुनिया के लिये एक चिन्ता का सबब है। भले ही अमरीका की ताकत को देखते हुए रूस ने चीन से निकटता बनाई हो, लेकिन भारत से उसकी दोस्ती इन सबसे ऊपर है। फिर भी चीन एवं पाकिस्तान भारत के दुश्मन ही रहे हैं। इन हालातों के बीच मोदी की रूस और ऑस्ट्रिया यात्रा भारत के भाग्य के लिए नये सूर्य का उदय कही जा सकती है। प्रधानमंत्री मोदी की जितनी महत्वपूर्ण यात्रा रूस की रही, उतनी ही महत्वपूर्ण ऑस्ट्रिया की यात्रा भी रही। मोदी ने पाकिस्तान के साथ चीन को भी निशाने पर लेते हुए पुतिन से कहा कि चीन जहां पाकिस्तान के आतंकवाद को सहयोग-समर्थन और संरक्षण देने से बाज नहीं आ रहा है, वहीं चीन अपनी विस्तारवादी नीतियों के चलते एशिया ही नहीं, पूरे विश्व के लिए खतरा बन गया है। अब मोदी की इन बातों का पुतिन पर क्या असर होगा, यह भविष्य के गर्भ में है। जहां तक रूस से मित्रता का सवाल है तो यह भारत का परखा हुआ सच्चा मित्र है और भारत यह दोस्ती कभी नहीं छोड़ सकता। पिछले दो दशकों में हमारे सम्बन्ध अमेरिका से भी मधुर हुए हैं परन्तु हमारी विदेश नीति पूरी तरह स्वतन्त्र है और दुनिया का कोई भी देश इसे प्रभावित नहीं कर सकता। भारत के द्विपक्षीय सम्बन्ध किस देश के साथ कैसे हैं यह केवल भारत ही तय करेगा। अमेरिका हमें रूस-यूक्रेन के बारे में क्या समझायेगा? भारत पर दुनिया का बढ़ता भरोसा इस बात का परिचायक है कि भारत विश्व की एक महाबड़ी शक्ति बनने की राह पर अग्रसर है और भारत शांति एवं अयुद्ध का हिमायती है। हम तो पहले ही यह कह चुके हैं कि भारत बुद्ध-महावीर-गांधी का देश है और इसकी विदेश नीति भी इनसे प्रेरणा लेकर ही तय होती रही है। बदलते वैश्विक सन्दर्भों के बावजूद भारत आपसी शान्ति, अहिंसा, युद्धमुक्त विश्व-संरचना व सह अस्तित्व पर ही विश्वास रखता है। दुनिया की महाशक्तियों द्वारा भारत को तवज्जो देने के पीछे जिन वजहों को देखा जा रहा है, उनमें व्यापारिक प्रगति के साथ शांति एवं अमन-चैन की दुनिया बनाना भी मुख्य है। निश्चित ही मोदी की रूस और ऑस्ट्रिया यात्रा भारत के लिये 'सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण घटना' एवं 'परिवर्तनकारी क्षण' साबित होगा।

अब ब्रिटेन में सख्ती से कसे जाएं खालिस्तानी

आरके सिन्हा

ब्रिटेन के हालिया चुनावों में लेबर पार्टी की महत्वपूर्ण जीत से साबित हो गया कि ब्रिटेन की राजनीति में भारतीय प्रवासी समाज की भूमिका बेहद खास है। ब्रिटेन के चुनाव परिणाम यह बताते हैं कि वहां की राजनीति में भारतीय प्रवासियों की ताकत बढ़ती ही जा रही है। निवर्तमान प्रधानमंत्री ऋषि सुनक सहित 26 भारतीय मूल के नेता नई संसद के लिए चुने गये हैं। सुनक ने उत्तरी इंग्लैंड में रिचमंड एवं नॉर्थलेरटन सीट पर 23,059 वोट के अंतर के साथ दोबारा जीत हासिल की। सुनक की पार्टी की शिवानी राजा ने लीसेस्टर ईस्ट की सीट जीत ली है। लीसेस्टर ईस्ट में लड़ाई में कई दिग्गज शामिल थे, जिनमें पूर्व सांसद क्लाउड वेबे और कीथ वाज शामिल थे, जिन्होंने निर्दलीय के रूप में चुनाव लड़ा था। कीथ वाज भी भारतीय मूल के ही हैं। वे पहले भी संसद के सदस्य रहे हैं। शिवानी राजा शिक्षा की दुनिया से जुड़ी हुई हैं। वो लंबे समय से कंजरवेटिव पार्टी की एक्टिविस्ट हैं। भारत में जन्मे कनिष्क नारायण पूर्व वेल्श की सीट से जीत गए हैं। वे भी कंजरवेटिव पार्टी के उम्मीदवार थे। बिहार के मुजफ्फरपुर के मूल निवासी कनिष्क नारायण 12 साल की उम्र में ब्रिटेन गए थे। उन्होंने ऑक्सफोर्ड और फिर स्टैनफोर्ड में पढ़ाई की। भारतीय मूल की सुएला ब्रेवरमैन ने फेयरहैम और वाटरलूविल सीट जीती है। उनके पिता गोवा के और मां तमिल मूल की हैं। पंजाबी हिन्दू परिवार से संबंध रखने वाले गगन मोहिन्दर फिर से साउथ-वेस्ट हर्टफोर्डशायर सीट से चुनाव जीत गए हैं। निवर्तमान संसद के सदस्य नवेंदु मिश्र लेबर पार्टी की टिकट पर स्टॉकपोर्ट सीट से कामयाब रहे हैं। वो मूल रूप से कानपुर से हैं। ब्रिटेन की निवर्तमान संसद में भी 15 भारतीय मूल के सांसद थे। ब्रिटेन के आम चुनाव 2024 में, कुल 107 ब्रिटिश-भारतीय उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे थे।

भारत-ब्रिटेन संबंधों के देखा जाए तो इसके प्रमुख रूप से पांच आयाम हैं। ब्रिटेन भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश करने वाला तीसरा सबसे बड़ा देश है। जबकि भारत भी ब्रिटेन में नई परियोजनाएं शुरू करने के मामले में तीसरा सबसे बड़ा देश है। भारत के लिए ब्रिटेन एक महत्वपूर्ण आयातक देश है। हालांकि यह भारत को बहुत बड़ी मात्रा में निर्यात भी करता रहा है। ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था में भारतीय कंपनियों की भी अहम भूमिका है। भारतीयों की स्वामित्व वाली 700 से ज़्यादा कंपनियों ने ब्रिटेन में 1 लाख से ज़्यादा लोगों को रोज़गार दिया हुआ है। टाटा ग्रुप की ही कंपनियों ने ब्रिटेन में हज़ारों लोगों को रोज़गार दिया हुआ है। वहां हिन्दुजा, लक्ष्मी मित्तल, स्वराज पॉल जैसे बहुत सारे बड़े उद्योगपति स्थायी रूप से रहकर ही देश-विदेश में अपना काम कर रहे हैं। इसके अलावा, भारत के हज़ारों छात्र ब्रिटेन में पढ़ाई करने भी हर साल जाते हैं। हां, भारत के युवाओं में अमरीका, ऑस्ट्रेलिया और जर्मनी में पढ़ाई, नौकरी या निवेश करने का चलन भी बढ़ रहा है। भारत और ब्रिटेन के बीच 200 साल से भी अधिक का पुराना संबंध है। दोनों ही देश सांस्कृतिक संस्थानों और अंग्रेज़ी से माध्यम से जुड़े हैं। दोनों देशों के आपसी संबंधों को मज़बूत रखने में ब्रिटेन में रहने वाले करीब 15 लाख प्रवासी भारतीयों की अहम भूमिका है। ये प्रवासी भारतीय न केवल ब्रिटेन और भारत के बीच एक मजबूत पुल का काम कर रहे हैं, बल्कि, इन्होंने भारत की संस्कृति से ब्रिटेन को संपन्न भी किया है। प्रवासी भारतीय ब्रिटेन में हर क्षेत्र में प्रभावशाली रूप से मौजूद है। अब चाहे वो व्यापार, राजनीति, खेल का क्षेत्र हो या कोई और, इन्होंने सभी क्षेत्रों में एक महत्वपूर्ण मुक़ाम हासिल किया है। भारत को ब्रिटेन की नई सरकार से यह भी यही उम्मीद रहेगी कि पिछले साल भारतीय उच्चायोग पर हुए हमले के लिए जिम्मेदार तत्वों पर अब कठोर एक्शन लिया जाये। ऋषि सुनक सरकार ने भी खालिस्तान समर्थक संगठनों पर चाबुक चलानी शुरू कर दी थी। ये संगठन ब्रिटेन में बैठकर भारत के खिलाफ आतंकवाद या नफरत की आग फैलाने की साजिश में लगे हुए हैं। इन संगठनों में इंटरनेशनल सिख यूथ फेडरेशन, खालसा टेलीविजन लिमिटेड, खालिस्तानी टेलीविजन चैनल वगैरह शामिल हैं। ब्रिटेन में खालिस्तानी फंडिंग नेटवर्क की कमर तोड़ने के लिए बनाई गई स्पेशल टास्क फोर्स ने खालिस्तान समर्थकों के 300 से ज्यादा बैंक खाते जब्त कर 100 करोड़ रुपये से ज्यादा की रकम जब्त की है। भारत- ब्रिटेन संबंधों में बेहतरी तब ही कायदे से आएगी, जब वहां खालिस्तानी समर्थक कसे जाएंगे। अब भारत-ब्रिटेन का यह लक्ष्य रहेगा कि दोनों देश व्यापार, प्रौद्योगिकी और सुरक्षा में सहयोग बढ़ाएं। पिछली 4 जुलाई को ब्रिटेन में हुए संसदीय चुनावों के परिणाम व्यापक रूप से अपेक्षित थे। किएर स्टार्मर के नेतृत्व में लेबर पार्टी को 34 फीसद वोटों के साथ हाउस ऑफ कॉमन्स में 650 सीटों में से 410 सीटों पर जीत मिली। वे अब ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बन गए हैं। उनकी भी भारतीय सनातनी परम्पराओं में गहरी आस्था है और वे नियमित रूप से हिन्दू मंदिरों में जाते रहे हैं।

हालिया चुनाव परिणाम भारत-ब्रिटेन संबंधों के लिए चुनौतियां और अवसर दोनों ही प्रस्तुत करते हैं, जो पिछले दो दशकों में लगातार मजबूत होते रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री किएर स्टार्मर से बात की और उन्हें पीएम चुने जाने पर बधाई दी। प्रधानमंत्री मोदी ने विगत शनिवार को ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री से बात करते हुए उन्हें लेबर पार्टी की उल्लेखनीय जीत पर बधाई दी। बातचीत में दोनों नेताओं ने भारत-ब्रिटेन की व्यापक रणनीतिक साझेदारी को बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई। ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री को मोदी जी ने भारत आने का निमंत्रण भी दिया। दोनों नेताओं ने भारत-ब्रिटेन के बीच एफटीए यानी फ्री ट्रेड एग्रीमेंट को जल्द फाइनल करने की दिशा में काम करने पर भी सहमति जताई। भारत और ब्रिटेन के बीच आपसी संबंध मजबूत करने के लिहाज से एफटीए का काफी महत्व है। इस मुद्दे पर आगे बढ़ने के लिए दोनों ही देश कोशिशें कर रहे हैं। इस बाबत वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल गंभीरता से प्रयास करते रहे हैं। प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते में कुल 26 अध्याय हैं, जिनमें से अधिकतर पर आपसी सहमति बन गई है। अगर एफटीए समझौता हो जाता है, तो इससे दोनों देशों में आर्थिक विकास और रोजगार के मौके को बढ़ावा मिलेगा। अभी ब्रिटेन के साथ भारत का जो द्विपक्षीय व्यापार है, वो भारत के पक्ष में ही थोड़ा झुका है। यानी भारत आयात के मुकाबले ब्रिटेन को निर्यात ज्यादा करता है। हालांकि, आयात-निर्यात के बीच का यह अंतर बहुत ज्यादा नहीं है। भविष्य में भारत-ब्रिटेन के साथ संबंधों में लगातार बेहतरी की उम्मीद की जा सकती है। भारत चाहेगा कि नई सरकार ब्रिटेन में भारत विरोधी तत्वों की बढ़ती गतिविधियों पर रोक लगाए और पाकिस्तान से उत्पन्न आतंकवाद का मुकाबला करने में सहयोग करें। वैसे ब्रिटेन के नये प्रधानमंत्री का कश्मीर पर रुख जगजाहिर है। वे कश्मीर विवाद को पूर्णतः भारत का अंदरूनी मामला मानते हैं और कश्मीर में किसी भी तरह की पाकिस्तानी हस्तक्षेप के सख्त खिलाफ हैं।

पाकिस्तान का सीमापार से आतंकवाद और ड्रग तस्करी का षड़यंत्र!

मनोज कुमार अग्रवाल

भगवान ऐसा निकम्मा और निकृष्टतम पडोसी किसी को न दे जैसा कि पाकिस्तान है। भुखमरी के हालात से जूझ रहा आर्थिक बदहाली भारी विदेशी कर्ज अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी फजीहत के बावजूद पाकिस्तान अभी भी सुधरने का नाम नहीं ले रहा। इसके नए निजाम के भारत विरोधी इरादों का अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि खुद पाकिस्तान के अंदरूनी हालात बेहद अस्थिर होने के बावजूद इसकी गुप्तचर एजेंसी आई. एस. आई. तथा सेना भारत में आतंकवाद का सुनियोजित षडयंत्र कर आतंक को बढ़ावा देने के काम में लगी है ।अब ड्रोन के जरिए हथियारों के साथ साथ नशीले पदार्थों की तस्करी भारत में करना पाकिस्तान का मुख्य अजेंडा है इस के जरिए वह भारत में दहशत फैलाने का मंसूबा पाले हुए है।

यह इसी से स्पष्ट है कि पाकिस्तान के पाले हुए आतंकवादी कश्मीर के बाद अब जम्मू संभाग में भी एक महीने की अवधि में ही पाकिस्तान से आए दहशतगर्दों ने आधा दर्जन हमले कर चुके हैं, जिनमें हमारे कई जाबांज अफसर सुरक्षा बलों के सदस्यों तथा आम नागरिकों सहित डेढ़ दर्जन के लगभग लोगों की जान गई है।पता चला है कि पाकिस्तान आतंकवाद के लिए आर्थिक मदद देने के साथ साथ नशीले पदार्थों की खेप की तस्करी करा दहशतगर्दों के लिए भारत में भी पैसे जुटाने का बंदोबस्त कर रहा है। दरअसल ड्रोन के जरिए हथियारों के साथ ही नशीले पदार्थों की खेप भारत की सीमा में भेज दी जाती है नशीले द्रव्यों का धंधा पनपा कर भारत में छिपे स्लीपर सैल से जुड़े लोगों को आतंकवाद की मदद के लिए तैयार किया जाता है। ये लोग ड्रग्स के अवैध धंधे में फंसकर पैसा व रोजगार की चाह में पाक दहशतगर्दों के मददगार व सूचना देने वाले भेदिए बन जाते हैं हाल की सैन्य वाहनों पर आतंकी हमलों की वारदातों में यह पता चला है कि स्थानीय लोगों ने ही दहशतगर्दों को सूचना दी और उन सूचनाओं पर ही आतंकवादियों ने सैनिकों पर हमले की वारदातों को अंजाम दिया। यानि अब पाकिस्तान नशे की खेप भेज कर नशे के कारोबार के जरिए आतंकवाद को बढ़ावा देने काम कर रहा है।

जम्मू-कश्मीर पुलिस के प्रमुख आर. आर. स्वैन के अनुसार राज्य के लोगों में भय पैदा करने के लिए सीमा पार स्थित भारत के शत्रु भाड़े के विदेशी हत्यारों का इस्तेमाल कर रहे हैं। ये हत्यारे न केवल हत्याओं में शामिल हैं, बल्कि लोगों के मवेशी तक चुरा ले जाते हैं।भाड़े के ये हत्यारे पाकिस्तान होकर आए स्थानीय आतंकवादियों की सहायता से हमले कर रहे हैं। इन आतंकवादियों को इस बात की जानकारी है कि क्षेत्र के जंगलों में कहां-कहां सेना की मौजूदगी नहीं है। इन आतंकवादियों ने अपने साथ ऐसे 'भेदिए' मिला रखे हैं जो दिन के समय रेकी करके हमारे सैन्य वाहनों, पर्यटकों और धार्मिक स्थलों पर आने- जाने वाले वाहनों की गतिविधियों की जानकारी जुटा कर उन्हें देते हैं और दहशतगर्द उसी के आधार पर कार्रवाई करते हैं।जहां पाकिस्तान ने भारत के जम्मू-

कश्मीर में अशांति फैलाने के लिए अपने पाले हुए आतंकवादियों द्वारा हिंसा और खून-खराबा जारी रखा हुआ है, वहीं पंजाब के साथ लगते सीमावर्ती क्षेत्रों में ड्रोनों द्वारा हथियारों और नशीले पदार्थों के अलावा असली और नकली दोनों तरह की भारतीय करंसी आदि की तस्करी तेज कर रखी है और इसमें लगातार वृद्धि हो रही है।

वर्ष 2021 के मुकाबले वर्ष 2022 में अंतर्राष्ट्रीय सीमा पार से पंजाब के सीमावर्ती इलाकों में ड्रोनों द्वारा घुसपैठ और तस्करी के मामलों में लगभग 2 गुणा वृद्धि हुई, जबकि बाद के वर्षों में भी इसमें लगातार वृद्धि होती चली गई है।

बी.एस.एफ. के सूत्रों के अनुसार इस वर्ष जनवरी, 2024 से लेकर 9 जुलाई के बीच बी.एस.एफ. ने पाकिस्तान के साथ लगती पंजाब की सीमा के आसपास के इलाकों में 125 ड्रोन मार गिराए हैं, जबकि 2023 के समूचे वर्ष में 107 तथा 2022 के सारे वर्ष में 22 ड्रोन गिराए थे। ये ड्रोन ज्यादातर पंजाब के अबोहर, फिरोजपुर, तरनतारन, अमृतसर, गुरदासपुर और पठानकोट जिलों में गिराए गए हैं, जबकि ड्रोनों से सर्वाधिक बरामदगी तरनतारन और अमृतसर जिलों में दर्ज की गई है। पंजाब में जब्त किए गए ड्रोनों में सर्वाधिक जब्ती चीन में बने 'डी.जे.- आई माविक' क्लासिक ड्रोनों की हुई है जो नशीले पदार्थों के अलावा आटोमैटिक हथियार और गोली सिक्का लेकर आते हैं।

अंधेरे का लाभ मिलने के कारण ये ड्रोन आमतौर पर रात में बिना रोशनी के संचालित किए जाते हैं। कई पाकिस्तानी तस्कर 'हैंगिंग मैथड' का इस्तेमाल करते हैं जिसमें सीमा पार करवाने के लिए कोई पदार्थ ड्रोन के साथ लटका कर उस वस्तु को गिराना आसान हो जाता है। तस्करों को केवल इतना करना होता है कि ड्रोन भारतीय सीमा में घुसपैठ कर जाए। बी.एस.एफ. के पास अब ड्रोनों का पता लगाने की बेहतर तकनीक होने के कारण अधिकारी बड़ी संख्या में ड्रोनों को गिराने और उनके द्वारा लाई गई अवैध वस्तुएं जब्त करने में सफल हो रहे हैं।

सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने पंजाब से लगती पाकिस्तानी सीमाओं पर बीते 6 महीने में 150 किलो हेरोइन और 126 ड्रोन मार गिराए हैं जो पाकिस्तान व अन्य हिस्सों से भारत में अवैध रूप से सेंधमारी करते हुए ड्रग्स, हथियार और जासूसी करने के मकसद से भेजे गए थे। बीएसएफ पंजाब फ्रंटियर के अनुसार वर्ष 2023 में पाकिस्तान की ओर से 107 ड्रोन भेजे गए थे, जिन्हें बीएसएफ ने टारगेट करते हुए दबोचा था। इन ड्रोन से सप्लाई किए जा रहे 18 आधुनिक हथियारों को भी बरामद किया गया है इंटरनेशनल बॉर्डर को पार कर भारतीय सीमा में घुसने का प्रयास करते समय सेना की टुकड़ी ने एक पाकिस्तानी को ढेर कर दिया था, जबकि 21 पाकिस्तानी घुसपैठियों को बीएसएफ ने मौके से दबोच लिया था।

उक्त घटनाक्रम से स्पष्ट है कि पाकिस्तान के शासक अपनी घरेलू समस्याएं सुलझाने की बजाय भारत में अशांति फैलाने पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं जबकि स्वयं उनके देश में उन्हीं के पाले हुए आतंकवादी हमले करके वहां भी आम नागरिकों और सुरक्षा बलों के सदस्यों की जान ले रहे हैं। पाकिस्तान का भला तो इसी में है कि वह अपने पाले हुए आतंकवादियों पर नकेल डाले, ताकि वहां भी हिंसा और खून-खराबा समाप्त हो और भारत भी आतंकवाद से मुक्त हो सके। नेशनल इंटेलिजेंस एजेंसी (एनआईए) ने बीते अप्रैल में गृह मंत्रालय को एक रिपोर्ट दी थी, जिसमें इस बात की पुष्टि की थी कि जम्मू-कश्मीर की जगह अब पंजाब का सरहदी इलाका पाकिस्तान का गेटवे बन गया है। जम्मू-कश्मीर में धारा-370 हटाए जाने के बाद से भारतीय सेना की लगातार बढ़ती चौकसी के चलते अब पाकिस्तान पंजाब के सरहदी इलाकों से अवैध हथियार, ड्रग्स और आतंकियों को भारतीय सीमा में घुसने के निरंतर प्रयास करता रहता है। यहां तक की अब पंजाब पुलिस की ओर से भी सरहदी इलाकों में चौकसी बढ़ाई जा रही है, 20 करोड़ रुपये की लागत से बॉर्डर एरिया में सीसीटीवी कैमरा इंस्टॉल किए जा रहे हैं, ताकि ड्रग्स और अवैध हथियारों की अवैध सप्लाई और घुसपैठियों पर नजर रखी जा सके। पंजाब राजस्थान जम्मू-कश्मीर की पाकिस्तान से सटी सीमा भारत में व्यापक रूप से नशीले ड्रग्स की तस्करी के लिए इस्तेमाल की जा रही है पंजाब जम्मू-कश्मीर के बाद अब हिमाचल और राजस्थान में भी नशे का धंधा युवाओं को अपने आगोश में ले कर जीवन बर्बादी की ओर धकेल रहा है। इस पर जल्द से जल्द कोई सटीक कारवाई की जरूरत है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

न्यूट अपडेट

15 सूत्री मांगों को लेकर सरपंच संघ हुआ लामबंद

चमकता राजस्थान, जयपुर (खलील कुरैशी)। प्रदेश अध्यक्ष बंशीधर गढ़वाल के सानिध्य में जयपुर जिला अध्यक्ष महेंर सिंह धनखड़ की अध्यक्षता व अगवाई में सरपंचों ने सैकड़ो की संख्या में एकत्रित होकर जयपुर जिला कलेक्टर के बाहर धरना प्रदर्शन करते हुए कलेक्टर महोदय को 15 सूत्री मांग प्रस्तुत किया सरवन सिंह का आंदोलन दिनांक 8 जुलाई से संपूर्ण ग्राम पंचायत की तालाबंदी करते हुए किया गया था 10 तारीख को संपूर्ण राजस्थान में ब्लॉक स्तरीय यापन दिए गए एवं आज समस्त राजस्थान में जिला स्तरीय ज्ञापन प्रस्तुत किए। जिसमें राज्य वित्त आयोग का बकाया भुगतान करीबन 6742 करोड़, केंद्रीय वित्त आयोग का बकाया भुगतान 2872 करोड़, जल जीवन मिशन योजना को पीएचडी विभाग को दिए जाने एवं विद्युत कनेक्शन को व्यावसायिक से हटाकर कृषि श्रेणी में किया जावे खाद्य सुरक्षा योजना में बंद पड़ा पोर्टल खोला जाकर वंचित परिवारों का नाम जोड़ा जाए महानरेगा योजना में सामग्री भुगतान 2 साल का करीबन 7000 करोड रुपए बकाया भुगतान करने नरेगा में मेट कारीगर की मजदूरी रेट 500 से ?700 करने एवं सरपंचों के चुनाव 1 साल का कार्यकाल बढ़ाते हुए एक साथ करवाने एवं कोरोना काल की वजह से सरपंचों को कार्य करने का समय कम मिला इसलिए साल भर का कार्यकाल बढ़ाने एवं ग्राम पंचायत में प्रशासक नहीं लगाकर सरपंचों को ही 1 साल का कार्य करने का अवसर दिया जाए आदि मांगों को लेकर मुख्यमंत्री एवं मंत्री महोदय के नाम से ज्ञापन प्रस्तुत किया गया सरपंच संघ के ब्लॉक अध्यक्ष फुलेरा से नंदा राम जाट, जोबनेर से दिनेश निठारवाल, आंधी से अटल बिहारी गुप्ता, जमवारामगढ़ से सुनीता रुपेश शर्मा, बैराठ ब्लॉक अध्यक्ष शीशराम दायमा, शाहपुरा से रामचंद्र देवन्दा, बस्सी से नीतू मीणा, तुंगा से रामचरण गुर्जर, चाकसू राम प्रसाद चौधरी, सांगानेर रामलाल मीणा, मदन निठारवाल, रामनारायण थोरी, दांतली सरपंच अनिल शर्मा, गोविंदगढ़ ब्लॉक अध्यक्ष हरदेव देवनदा ,कोटखावदा अध्यक्ष रामेश्वर मीणा, सरपंच रामेश्वर यादव ब्लॉक अध्यक्ष आमेर अशोक मीणा, मन्नी देवी रामनारायण सरपंच रामपुराऊती रामजीलाल यादव, जालसु ब्लॉक अध्यक्ष रामजी लाल यादव, मनोज रावत सरपंच मेड जय राम नगर सरपंच आतेला सहित सैकड़ो सरपंचों ने प्रदर्शन पर ज्ञापन प्रस्तुत किया।

एक पेड़ माँ के नाम अभियान पर वृक्षारोपण कर कार्यक्रम की शुरुआत

चमकता राजस्थान, जयपुर (खलील कुरैशी)। भारत देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एक पेड़ माँ के नाम अभियान को लेकर देश के कोने कोने में पेड़- पौधे लगाने का सिलसिला शुरु हो गया है। इसी कड़ी में मालवीय नगर विधानसभा क्षेत्र के वार्ड 138 में आज वृक्षारोपण कार्यक्रम की शुरुआत की गई। गांधी नगर के शहीद लेफ्टिनेंट अभय पारीक राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय प्रांगण में जयपुर नगर निगम (ग्रेटर) की वार्ड 138 की पार्षद ममता यादव ने एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम की शुरुआत की। कार्यक्रम में जयपुर सांसद मंजू शर्मा एवं मालवीय नगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक काली चरण सराफ ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। सांसद मंजू शर्मा ने कहा कि इस वक्त पेड़ की भारी संख्या में जरुरत है। पेड़ो की कमी की वजह से ही आज गर्मी का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। विधायक काली चरण सराफ ने कहा कि जल्द ही विद्यालय प्रांगण में शहीद की मूर्ति लगाई जाएगी ताकि इससे बच्चों को प्रेरणा मिल सके। सराफ ने कहा कि विद्यालय में जब भी किसी चीज की जरुरत हो तो मै हमेशा तैयार हूं। विधायक ने आज के इस कार्यक्रम की तारीफ की और वृक्षारोपण कार्यक्रम के आयोजन हेतु सभी का आभार व्यक्त किया।। श्रीमती डूडी द्वारा सर्व प्रथम विशेष अतिथियों में सांसद मंजू शर्मा, विधायक कालीचरण सराफ एवं पार्षद ममता यादव का तिलक लगाकर एवं पुष्प गुच्छ भेंटकर स्वागत किया एवं तीनो ही वरिष्ठ राजनीतिक दिग्गजो ने एक एक पौधा लगाकर अभियान का श्री गणेश कर पर्यावरण संरक्षण का सकारात्मक संदेश दिया।

जेडीसी ने वर्षा को ले द्रव्यवती नदी के नालों की सफाई करने हेतु दिए निर्देश

द्रव्यवती नदी परियोजना की टाटा प्रॉजेक्ट द्वारा की जा रही है निरंतर साफ- सफाई

चमकता राजस्थान, जयपुर (खलील कुरैशी)। जयपुर विकास आयुक्त मंजू राजपाल ने बताया कि द्रव्यवती नदी में बड़े नाले जैसे करतारपुरा नाला, जगन्नाथपुरी नाला, आरपीए नाला एवं महारानी फार्म स्थित नाला का वर्षा जल सीधे ही प्रवाहित होता है। इन नालो में आम जनता द्वारा वर्षभर कूड़ा-करकट इत्यादि डाले जाने के कारण वर्षाकाल के दौरान ये मलबा जल प्रवाह के साथ बहकर द्रव्यवती नदी मे आता है, जो कि महारानी फार्म पुलिया के पास जमा हो जाता है जिसकी साफ-सफाई हेतु निरंतर समय-समय पर जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा मैसर्स टाटा प्रोजक्ट को निर्देर्शित किया जाता रहा है। फर्म द्वारा समय-समय पर आवश्यक संसाधन लगा कर इसकी साफ-सफाई करवाई जाती है।इस प्रकार अन्य स्थानों पर भी मैसर्स टाटा प्रोजक्ट द्वारा साफ-सफाई का कार्य किया जाता रहा है व वर्तमान में भी साफ-सफाई का कार्य किया जा रहा है।

भरतपुर पुलिस की गैंगस्टरों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई

डीएसटी व साइबर सेल ने गैंगवार की योजना को किया नाकाम, पांच गिरफ्तार

मामले में भरतपुर पुलिस अब तक कुल 10 आरोपियों को कर चुकी है गिरफ्तार

चमकता राजस्थान

जयपुर/भरतपुर (खलील कुरैशी)। भरतपुर जिले की डीएसटी व साइबर सेल की सजगता से भरतपुर में गैंगवार की योजना को नाकाम किया गया है। डीएसटी व कोतवाली पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई कर गैंगवार के षड्यंत्र में शामिल पांच और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मामले में जिला पुलिस अब तक कुल 10 बदमाशों को गिरफ्तार कर चुकी है।एसपी मृदुल कच्छावा ने बताया कि 22 जून को थाना कोतवाली भरतपुर में एक प्रकरण आशय का पंजीबद हुआ कि कुछ बदमाश तीन व्यक्तियों पर गैंगवार करने की फिराक में है। मामले में गहनता से अनुसंधान कर साक्ष्य संकलित किए गए। तकनीकी सहायता के आधार पर सन्दिग्ध बदमाशों को चिन्हित किया गया। प्रकरण में इससे पूर्व सन्दिग्ध 5 बदमाशों को गिरफ्तार किया जा चुका है, अब आरोपी शुभम सारस्वत पुत्र चेतन (25) निवासी कैलाशपुरी थाना कोतवाली को गिरफ्तार कर चार आरोपियों को प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया गया है।अनुसंधान में रोहित जाट निवासी हथैनी थाना चिकसाना हाल निवासी रनजीत नगर, प्रशान्त चौधरी व लोकेश चौधरी निवासी सोगर थाना कुम्हेर जिला डीग, शुभम लवानियां, बल्लो उर्फ बलराम निवासी तीन थोक जघीना थाना उधोगनगर, मोहित रेसलर, गब्बर, परमवीर, पंकज पुत्र रविन्द्र निवासी जघीना हाल बन्दी उच्च सुरक्षा कारागृह अजमेर, जहांगीर उर्फ बाबू उर्फ डोरेमन निवासी भांखरी बास थाना सूरसागर जोधपुर व लोकेन्द्र उर्फ लौकी गुर्जर निवासी मालीपुरा थाना सेवर हाल बन्दी उच्च सुरक्षा कारागृह अजमेर का प्रकरण में शरीक होना पाया गया।मामले में सीओ सुनील प्रसाद शर्मा के सुपरविजन एवं डीएसटी प्रभारी मुकेश कुमार व एसएचओ कोतवाली राम रूप मीणा के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा साइबर सेल के सहयोग से गैंगवार की योजना बनाने के मामले में आरोपी शुभम सारस्वत (25) निवासी कैलाशपुरी को गिरफतार कर, देवेन्द्र कुमार पुत्र देवीसिंह, रविन्द्र सिंह पुत्र रामभरोसी, आदित्य सिंह पुत्र कृपाल सिंह व राहुल कुन्तल उर्फ भोला पुत्र जगदीश को प्रोडक्शन वारंट पर हाई सिक्योरिटी जेल अजमेर से गिरफतार किया गया है उल्लेखनीय है कि इस मामले में पूर्व में बलराम उर्फ बल्लो, लोकेश, पंकज सिंह, जहांगीर उर्फ बाबू उर्फ डोरेमन, लोकेन्द्र उर्फ लौकी को गिरफतार कर उनके कब्जे से एक सिम व एक कीपैड मोबाईल बरामद किया जा चुका है।

आवारा सांडों के आतंक से आम जन परेशान

चमकता राजस्थान, (धौलपुर रामदास तरुण)। सैपऊ धौलपुर बरसात के मौसम में ज्यादा तर आवारा पशु रोड पर घूमते हैं! और रोड पर ही बैठते हैं! और रोड पर ही भिड़ जाते हैं! सार्वजनिक स्थानों भीड भाड वाली जगह शहर बाज़ार व रोड़ों पर आवारा सांडो के आपस में भिड़ जाने से आमजन को परेशानी होती है, कभी-कभी तो आपस में भिड़ते ही भिड़ते रखी हुई बाईको एवं जनता के ऊपर भी चढ़ जाते हैं! इसलिए कई बार इनके भिड़ने से लोग घायल भी हों जाते हैं, कई बार तो सांडो की वजह से भयानक एक्सीडेंट भी हो जातें हैं!अतः आवारा सांडो की वजह से कई बार एक्सीडेंट में लोगों की जान भी जा चुकी है। तथा किसान की खड़ी फसल को बर्बाद करने में भी नहीं रुकते हैं! ये आवारा सांड। आवारा पशुओं की वजह से किसान भी पूरी तरह से बेचारा परेशान है। इसलिए राज्य सरकार व मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से सैंपऊ क्षेत्र की जनता की मांग कि बंजर अथवा चारागाह भूमि पर इनके लिए एक गौशाला बनवाई जाए। और इनकी वजह से आमजन को हो रही परेशानियां व एक्सीडेंटों से जनता को मिल सके राहत व निजात।

लड़की से छेड़छाड़ का इल्जाम लगाकर 12.40 लाख रुपए की लूट का खुलासा, एक आरोपी गिरफ्तार

चमकता राजस्थान

जयपुर/चूरू (खलील कुरैशी)। चूरू में कलेक्ट्रेट सर्कल पर मंगलवार दिनदहाड़े बाइक सवारों द्वारा लड़की से छेड़छाड़ का इल्जाम लगाकर सरिये से हमला कर 12.40 लाख से भरे बैग व मोबाइल लूट के मामले का खुलासा कर कोतवाली पुलिस ने घटना में शामिल एक आरोपी सोयल खान पुत्र जाकिर खान (21) निवासी वार्ड नंबर 14 थाना बिसाऊ (जिला झुंझुनू) को गिरफ्तार किया हैएसपी जय यादव ने बताया कि मंगलवार 9 जुलाई को कलेक्ट्री सर्किल पर राणासर निवासी जहीर खान पर दो बाइक सवार लड़के दिनदहाड़े हमला कर बैग व मोबाइल छीनकर भाग गए, बैग में 12 लाख 40 हज़ार रुपए नगद थे। यह वारदात मौके पर लगे अभय कमांड सेंटर के सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई थी।एसपी यादव ने बताया इस संबंध में पीड़ित द्वारा कोई रिपोर्ट नहीं दी गई थी। अभय कमांड की सूचना पर पीड़ित एवं आरोपियों की तलाश के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लोकेंद्र दादरवाल व सीओ सुनील कुमार के सुपरविजन तथा एसएचओ मुकुट बिहारी के नेतृत्व में थाना कोतवाली व डीएसटी से विशेष टीम गठित की गई।पीड़ित जहीर खान की पहचान कर रिपोर्ट प्राप्त कर मुकदमा दर्ज किया गया। आसूचना संकलन व तकनीकी सहायता से घटना में शामिल आरोपी सोयल खान को डिटेन कर पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया गया।

जमीन पर जबरन कब्जा करने का आरोप लगाते हुए पुलिस व प्रशासन के खिलाफ ग्रामीणों का गुस्सा

विधायक ने अधिकारियों को दिए निर्देश, जमीन की पैमाइश कर पीड़ित पक्ष को मिलें न्याय

नदबई, (राजवीर सिंह)। क्षेत्र के गांव बैलारा में कृषि भूमि पर जबरन कब्जा करने का आरोप लगाते हुए ग्रामीणो ने बैलारा बाईपास के समीप पुलिस व प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी कर। जमकर नाराजगी जताई। इस दौरान ग्रामीणों ने क्षेत्र के पंचायतीराज जनप्रतिनिधी पर कब्जा करने व पुलिस व प्रशासन की ओर से पीडित पक्ष के खिलाफ कार्रवाई करने का आरोप लगाया। बाद में विधायक कुं. जगत सिंह ने मौके पर विभागीय अधिकारियों से मामलें की जानकारी लेते हुए टीम गठित कर जमीन की पैमाइश के निर्देश देने पर मामला शांत हुआ। विधायक ने मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारियों को जनता को डराने व धमकाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने को कहा। बाद में विधायक ने एसडीएम व तहसीलदार को विवादित जमीन की पैमाइश करते हुए पीडित लोगों को न्याय दिलाने व जबरन कब्जा करने पर मामला दर्ज करने के निर्देश देने पर मामला शांत हुआ।

क्या है पूरा मामलाः- गौरतलब है कि बुधवार को बैलारा में विवादित जमीन पर मिट्टी डालने दौरान दो पक्षों के बीच विवाद हो गया। बाद में एक पक्ष से गंगादेई पत्नी महेन्द्र सिंह ने अवैध हथियारों से लैस होकर खेत में खडी फसल को खराब कर जबरन कब्जा करने व विरोध करने पर मारपीट करने का आरोप लगाते हुए कबई निवासी विश्वेन्द्र सिंह व नरेन्द्र सिंह, हुक्की, बीलोंट निवासी भूपेन्द्र सिंह, जयपाल उर्फ कल्लू, कल्लू सिंह, उटारदा निवासी अर्जुन सिंह, तरुन कुमार, हेमसिंह, सत्यवीर सिंह, रामकुमार व विनोद उर्फ लाला के खिलाफ पुलिस में मामला दर्ज कराया। जबकि, दूसरे पक्ष से कबई निवासी नरेन्द्र सिंह पुत्र पृथ्वी सिंह ने निजी खातेदारी जमीन पर मिट्टी डालने दौरान अवैध हथियार दिखाते हुए मारपीट करने व ट्रैक्टर से दो अलग-अलग गाडियों में टक्कर देते हुए क्षतिग्रस्त कर हत्या का प्रयास करने का आरोप लगाते हुए बैलारा निवासी महेन्द्र सिंह, अशोक, ओमप्रकाश, गोरधन सिंह, गायत्री, सत्यवती, गंगादेवी व उटारदा निवासी अजय सिंह के खिलाफ पुलिस में मामला दर्ज कराया।

जयपुर विकास प्राधिकरण की भूमि एवं सम्पत्ति निस्तारण समिति की बैठक आयोजित

चमकता राजस्थान, जयपुर (खलील कुरैशी)। जयपुर विकास आयुक्त मंजू राजपाल की अध्यक्षता में भूमि एवं संपत्ति निस्तारण समिति की 194वीं बैठक आयोजित हुई। बैठक में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा दिनांक 06.07.2024 को क्षेत्र में किये गये निरीक्षण के दौरान प्रदत्त निर्देशानुसार ग्राम सांगानेर में 300 शैयायुक्त सेटेलाईट अस्पताल हेतु 25 हजार वर्गमीटर भूमि के आवंटन प्रस्ताव के क्रम में जेडीए द्वारा 21948 वर्गमीटर भूमि आवंटन हेतु प्रस्ताव राज्य सरकार को भिजवाये जाने का निर्णय लिया गया था। बैठक में 33/11 केवी सब स्टेशन हेतु निजी खातेदारी की आवासीय योजना कृष्णा सिटी सी ब्लॉक के सुविधा क्षेत्र की 1000 वर्ग गज भूमि आवंटन करने का निर्णय लिया गया। बैठक में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, सिरानी तहसील सांगानेर को विद्यालय भवन एवं खेल मैदान हेतु ग्राम सिरानी तहसील सांगानेर में 4000 वर्गमीटर भूमि आवंटन करने का निर्णय लिया गया।

मामटोरी घाटी निर्माण में जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेंद्र सिंह के सकारात्मक प्रयास लायें रंग

वन भूमि 1.44 हेक्टेयर पर लगे 68 पेड़ कटेंगे, उनकी जगह बिशनगढ़ में दी गई जमीन

चमकता राजस्थान

➲ पर्यावरण व वन मंत्रालय से मिली फाइनल अनुमति, खिलें स्थानीय निवासियों के चेहरें

मनोहरपुर (खलील कुरैशी)। जयपुर ग्रामीण सांसदराव राजेंद्र सिंह के अनुशंसा पर मनोहरपुर से इटावा भोपजी वाया नवलपुरा होते हुए बनाई जा रही सड़क निर्माण में मामटोरी घाटी में वन विभाग की भूमि पर सड़क निर्माण करने में आ रहे हैं 68 पेड़ों को काटने की व 1.44 हेक्टेयर वन भूमि पर सड़क निर्माण की फाइनल अनुमति वन एवं पर्यावरण मंत्रालय भारत सरकार से दिलवाई है।भाजपा जयपुर जिला देहात उत्तर के मीडिया जिला प्रभारी सुभाष जोशी ने बताया कि 2018 में भाजपा सरकार में पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष सांसद राव राजेन्द्र सिंह ने यह सड़क स्वीकृत करवाई थी। बाद में सरकार बदलने पर कांग्रेस राज में 5 साल गुजर जाने के बावजूद भी घाटी में सड़क का निर्माण नहीं हो पाया था। 28 अगस्त 2023 को राजस्थान सरकार ने घाटी पर निर्माण करने की अनुमति मांगी थी। इस पर केंद्र सरकार के वन एवं पर्यावरण मंत्रालय ने सैद्धांतिक अनुमति प्रदान की थी। लेकिन स्थाई अनुमति नहीं मिलने कारण काम शुरू नहीं हो पाया था। अब सांसद राव राजेंद्र सिंह के प्रयासों से 12 जुलाई को भारत सरकार के वन एवं पर्यावरण मंत्रालय ने 1.44 हेक्टेयर वन भूमि पर सड़क बनाने व बीच में आ रहे 68 पेड़ों को काटने की स्थाई अनुमति प्रदान की है। राज्य सरकार इसके बदले में बिशनगढ़ गांव में इतनी ही वन स्थापित करने के लिए वन विभाग को भूमि दी है। बीजेपी एससी मोर्चा के जिला अध्यक्ष एडवोकेट बीएस बेनीवाल ने बताया कि केंद्र सरकार के वन एवं पर्यावरण मंत्रालय से पेड़ कटाई व वन भूमि पर निर्माण की स्थाई अनुमति मिलने से सड़क निर्माण कार्य घाटी में तीव्र गति से होगा। सड़क निर्माण होने के बाद इधर से गुजरने वाले करीब 30 गांव के हजारों लोगों को आवागमन में सुगमता होगी। इस पर कार्यकर्ताओं ग्रामीण ने सांसद राव राजेंद्र सिंह का आभार जताया।

सार्वजनिक निर्माण विभाग में हुई अभियंताओं की डीपीसी

चमकता राजस्थान

जयपुर। सार्वजनिक निर्माण विभाग के विभिन्न पदों पर पदोन्नति हेतु आयोजित हुई रिव्यू /नियमित विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक बारह जुलाई को प्रातः साढ़े ग्यारह बजे शासन सचिवालय जयपुर के कमरा नंबर 1008 में हुई जिसमें चार मुख्य अभियंता, सोलह अतिरिक्त मुख्य अभियंता सहित अड़तीस एसी बनाये गये।

चार मुख्य अभियंताओं में मनोहर अली,सुनील गुप्ता,हरकेस मीना,विजय वर्मा सोलह अतिरिक्त मुख्य अभियंताओं में अनिल विजयवर्गीय,अजय भूपेश, अनुपम गुप्ता,नेमी चंद,एन के जोशी शामिल हैं। वहीं अड़तीस एक्सईएन से ए सी बनाये गये हैं जिसमे जय किशोर दुबे,अनिल जैन,सतीश गुप्ता शामिल हैं।

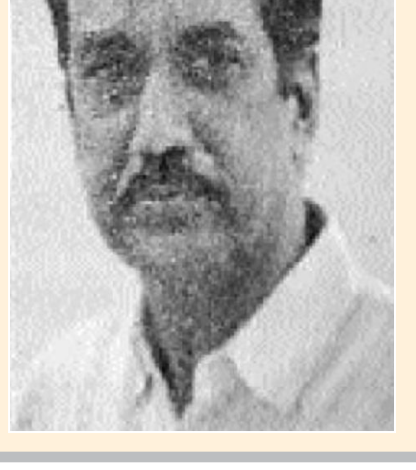

डी आर मेघवाल बने शासन सचिव सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान!

» सार्वजनिक निर्माण विभाग में संयुक्त शासन सचिव कनिष्क कटारिया ने एक आदेश जारी कर मुख्य अभियंता एवं अतिरिक्त सचिव सार्वजनिक निर्माण विभाग जयपुर डी आर मेघवाल का स्थानान्तरण शासन सचिव सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान जयपुर पर किया !

श्री गोवर्धन गौशाला कोटडी लुहारवास में किया वृक्षारोपण

चमकता राजस्थान /उदयपुरवाटी, (सुमेर सिंह राव)। उपखंड क्षेत्र के निकटवर्ती झोपड़िया आश्रम में स्थित श्री गोवर्धन गौशाला कोटड़ी लुहारवास में वृक्षारोपण किया गया। कालूराम स्वामी ने बताया कि गोवर्धन गौशाला में आश्रम के महंत लक्ष्मण दास महाराज के सानिध्य में पर्यावरण को संतुलित बनाए रखने के लिए 500 पेड़ लगाने का लक्ष्य रखा गया है। गोशाला में पौधारोपण आश्रम के महंत स्वयं के खर्चे से करवा रहे हैं। वृक्षारोपण के दौरान लक्ष्मण दास महाराज ने कहा कि पर्यावरण को संतुलित बनाए रखने के लिए पेड़ों की महती आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक मनुष्य को हर वर्ष कम से कम दो वृक्ष जरूर लगाने चाहिए। पेड़ प्राणवायु के साथ-साथ हमारे पर्यावरण को भी संतुलित रखते हैं। इस दौरान मगनराम गूर्जर नानूराम सैनी गोविन्द राम यादव पालाराम बारवाल ताराचंद यादव कालूराम सैनी सत्यवान चाहर बूंटीराम बराला दिनेश बारवाल गुल्लाराम सैनी उदयपुरवाटी कालूराम स्वामी दिलीप सिंह परमानंद गुरावा विरेन्द्र गोठवाल सुवालाल सहित कई लोगों ने वृक्षारोपण किया।

पचलंगी ओम शिव गौशाला में धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन आज

ओम शिव गौशाला में आयोजित होने वाले कार्यक्रम को लेकर सभी तैयारियां पूरी: मदनलाल भावरिया

गौशाला के मुख्य द्वार पर लगेगी भगवान श्री कृष्ण की मूर्ति

चमकता राजस्थान / उदयपुरवाटी

(सुमेर सिंह राव) उपखंड क्षेत्र के पचलंगी गांव में स्थित ओम शिव गौशाला परिसर में आज अनेक धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा ' धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन झड़ाया बालाजी मंदिर के महंत श्री श्री 108 श्री सीताराम दास महाराज के सानिध्य में आयोजित होगा ' राष्ट्रीय सामाजिक जन चेतना मंच के अध्यक्ष एवं गौशाला संरक्षक मदलाल भावरिया ने जानकारी देते हुए बताया कि 12 जुलाई को गौशाला परिसर में मूर्तियों की पूजा अर्चना एवं एवं हवन का कार्यक्रम आयोजित हुआ ' भावरिया के अनुसार गौशाला परिसर में आज 13 जुलाई शनिवार को अनेक धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा जिसमें गौशाला के मुख्य द्वार पर भगवान कृष्ण की मूर्ति लगाई जाएगी एवं अन्य मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा होगी ' महिलाओं द्वारा विशाल कलश यात्रा निकाली जाएगी जो कस्बे के मुख्य मार्गो से होती हुई ओम शिव गौशाला परिसर पहुंचेगी ' कार्यक्रम के दौरान ही विशाल भंडारे का भी आयोजन होगा जिसमें दुरदराज से आए हुए श्रद्धालु प्रसादी ग्रहण करेंगे ' राष्ट्रीय सामाजिक जन चेतना मंच के अध्यक्ष एवं गौशाला संरक्षक मदनलाल भावरिया के अनुसार गौशाला परिसर में आज आयोजित होने वाले धार्मिक कार्यक्रम की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है ' इस दौरान गौशाला अध्यक्ष रामलाल बड़सरा , कोषाध्यक्ष रामनाथ कुड़ी , पूर्व सरपंच श्री लाल यादव , पाचूराम जांगिड़ ,मूलचंद जांगिड़ , लक्ष्मण कुड़ी ,राकेश मटोलिया, सुरेश चोटिया, गोपाल महेंद्र तेतरवाल, भवानी सिंह कुड़ी , सहित कई लोग मौजूद रहे '

सैकड़ो महिलाओं द्वारा निकाली जाएगी कलश यात्रा

एक नजर

राजस्थान शिक्षक संघ अम्बेडकर के ब्लॉक अध्यक्ष बने कैलाश चंद जाटव

चमकता राजस्थान। हिण्डौन सिटी (राजवीर सिंह) करौली जिले के हिण्डौन सिटी की जाटव बगीची में राजस्थान शिक्षक संघ अम्बेडकर के ब्लॉक अध्यक्ष का चुनाव किया गया। जिला चुनाव कार्यकारणी में पर्यवेक्षक शैलेन्द्र कुमार बागौरिया,चुनाव अधिकारी लक्ष्मी चंद मीना की देख रेख में चुनाव संपन्न हुआ। जिसमें सर्व सम्मति से बहादुर पुर निवासी कैलाश चंद जाटव को निर्विरोध ब्लॉक अध्यक्ष चुना गया। मंच का संचालन राम सिंह लाइब्रेरियन द्वारा किया गया।

मीटिंग में संघ द्वारा विद्यालयों में नामांकन वृद्धि, शिक्षकों की समस्याओं को हल करवाना,तृतीय श्रेणी शिक्षकों का स्थानांतरण एवं अधिक से अधिक सदस्य बनने पर चर्चा की गई। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष रूप सिंह मीना,संरक्षक अमृतलाल छाबड़ा, महामंत्री विष्णु मण्डल,प्रधानाचार्य सिंह,रतिराम,यादराम जाटव, संतराम वर्मा,रामप्रसाद भूतेश्वर,शिवनारायण जाटव, श्रीलाल जाटव,राकेश कुमार जगरिया,हरिराम तोमर, भगवानसिंह जाटव आदि मौजूद रहे।

पर्यावरण बोध संस्थान ने विवाह में वर-वधु एवं बारातियों को दिए 301 पौधे

चमकता राजस्थान। करौली संवाददाता की रिपोर्ट आज दिनांकः-11 जुलाई 24 को पर्यावरण संरक्षण के लिए परंपरा को आगे बढ़ाने का लिया संकल्प, सूरौठ। गांव खेड़ी हैवत में आयोजित एक विवाह समारोह में पर्यावरण बोध संस्थान, चकराजपुरा, सहजन पुर की ओर से पर्यावरण संरक्षण के लिए समारोह में वर-वधु, बारातियों एवं शादी में शामिल हुए मेहमानों को उपहार में 301 पौधें भेंट कर अनूठी पहल की गई। जीवन ज्योति फाउन्डेशन के मीडिया प्रभारी मदन मोहन भास्कर ने बताया कि वर-वधू, बारातियों एवं मेहमानों को कार्यक्रम में पौधे भेंट किये। खेड़ी हैवत निवासी दीनदयाल डागुर की पुत्री अंकुल डागुर का बसेडी निवासी ओमप्रकाश के पुत्र मानवेन्द्र सिंह के साथ विवाह हुआ। पर्यावरण बोध संस्थान के सचिव प्यार सिंह मीणा ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में पर्यावरण संरक्षण के लिए पारिवारिक समारोह में पौधे लगाने के लिए प्रेरित करने के लिए यह पहल की जा रही है। बसेडी के पूर्व सरपंच ओमवीर सिंह ने कहा कि इस प्रकार की पहल बहुत ही सराहनीय है सभी को सभी कार्यक्रमों में पौधे विदाई में देने का व उन पौधों को जीवित रखने का संकल्प लेना चाहिए। जीवन ज्योति फाउन्डेशन के संचालक ओम प्रकाश ने कहा कि इस प्रकार के पौधे वितरण कार्यक्रमों से समाज में नवचेतना का संचार होता है। इस अवसर पर पर्यावरण बोध संस्थान के सचिव प्यार सिंह मीणा, जीवन ज्योति फाउन्डेशन के संचालक ओमप्रकाश डागुर, बसेडी के पूर्व सरपंच ओमवीर सिंह, खेड़ी हैवत सरपंच प्रतिनिधि भागीरथ, बृजकिशोर डागुर, राजेन्द्र डागुर, दिलीप सिंह, रामचन्द्र डागुर, हरीश डागुर, राजेश डागुर, राजवीर चिनायटा, हरिमोहन सैनी,जनक सिंह सहित सैकड़ों की संख्या में लोग मौजूद रहे।

पत्नी से तंग आकर पति ने अपने दो बच्चों के साथ कब्रिस्तान में जाकर खाया जहर

किशनगंज। जिले के पोठिया थानाक्षेत्र में एक व्यक्ति ने अपने दो मासूम बच्चों के साथ कब्रिस्तान में जाकर जहर खाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। पोठिया प्रखंड क्षेत्र के छत्तरगाछ पंचायत के अथियाबारी गांव के मो. इदरीश नामक व्यक्ति ने स्वयं और अपने दो मासूम बच्चे को जहर खिलाकर आत्महत्या करने की कोशिश की है। घटना के बाद कुछ लोगो ने कब्रिस्तान में उन्हें ये हरकते करते देखा तो कब्रिस्तान में लोगो की भीड़ जुट गई। जहां स्थानीय युवा आदिल रब्बानी और नुरुल हक ने मिलकर तीनो को कब्रिस्तान से निकालकर छत्तरगाछ अस्पताल पहुंचाया। जहां से बेहतर ईलाज हेतु तीनों को सदर अस्पताल किशनगंज रेफर कर दिया गया है। फिलहाल तीनों की स्थिति काफी नाजुक बनी हुई है। स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के मुताबिक इदरीश के पहली पत्नी की मृत्यु हो गई है, जिसके बाद उन्होंने दूसरी शादी की है। जिससे अक्सर घरेलू विवाद होता था। जिससे तंग आकर उन्होंने आत्महत्या करने की कोशिश की है।

संदिग्ध परिस्थिति में युवक का मिला शव

भागलपुर। जिले के बबरगंज थाना क्षेत्र के मोहद्दीनगर ठाकुरबाड़ी स्थित गली के नाले के समीप संदिग्ध परिस्थिति में एक युवक का शव मिला है। स्थानीय लोगों ने शव देखने के बाद घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को दी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू कर दी। मृतक बौधा मोजाहिदपुर थाना क्षेत्र के सिकंदरपुर हरिजन टोला का रहने वाला था। बौधा के परिजन ने बताया की 6 महीना पहले किसी का टोटो चोरी करने के बाद से वह फरार चल रहा था। नशा करने की इसकी पुरानी आदत थी। शायद नशे की हालत में ही यह नाले के समीप गुरुवार की रात से ही पड़ा हुआ था। जिसकी आज मौत हो गई मौके पर पहुंची स्थानीय थाने की पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भागलपुर के जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया है।

बिहार में बीते 24 घंटों में वज्रपात से 21 लोगों की मौत

मुख्यमंत्री ने मृतक के परिजनों को चार-चार लाख रुपये अनुग्रह अनुदान देने के निर्देश दिये हैं।

एजेंसी

पटना। बिहार में बीते पिछले 24 घंटे के दौरान 12 जिलों में वज्रपात से 21 लोगों की मौत पर हुई है। राज्य आपदा प्रबंधन विभाग से जारी आंकड़ों के मुताबिक मधुबनी में 06, औरंगाबाद में 04, पटना में 02, रोहतास में 01, भोजपुर में 01, जहानाबाद में 01, सारण में 01, कैमूर में 01, गोपालगंज में 01, लखीसराय में 01, मधेपुरा में 01 और सुपौल में 01 व्यक्ति की मौत वज्रपात से हुई है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि आपदा की इस घड़ी में प्रभावित परिवारों के साथ पूरा राज्य खड़ा है।

मुख्यमंत्री ने आज ही मृतक के परिजनों को चार-चार लाख रुपये अनुग्रह अनुदान देने के निर्देश दिये हैं। साथ ही लोगों से अपील की है कि सभी लोग खराब मौसम में पूरी सतर्कता बरतें। खराब मौसम होने पर वज्रपात से बचाव के लिये आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा समय-समय पर जारी किये गये सुझावों का अनुपालन करें। खराब मौसम में घरों में रहें और सुरक्षित रहें। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में पिछले दो दिनों से मानसून कमजोर पड़ रहा था लेकिन गुरुवार से एक बार फिर सक्रिय हो गया है। इस कारण बारिश के साथ वज्रपात का दौर जारी है, जिससे लोग अपनी जान गंवा रहे हैं।

एक युवक का गला कटा शव बरामद , मचा हड़कंप

संवाददाता

कोलकाता। कोलकाता में एक युवक का गला कटा शव मिलने से हड़कंप मच गया है। दोप्रहर करीब 12 :40 बजे क्वेस्ट मॉल के पीछे एक मकान से युवक का शव बरामद किया गया। मृत युवक का नाम समशेर अली (38) है। कड़ेया थाने की पुलिस घटना की जांच में जुट गयी। पुलिस का शुरूआती अनुमान यह है कि घर में घुसकर युवक की गला काटकर हत्या की गई है। बताया जा रहा है कि सबूत मिटाने के लिए घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी को तोड़ दिया गया। पता चला है कि ब्राइट स्ट्रीट निवासी शमशेर अली घर में अकेले रहते थे। बगल के कमरे में पत्नी और परिवार के अन्य सदस्य रहते थे। इस दिन सुबह पत्नी ने बुलाने केलिए गया तो देखा दरवाजा अंदर से बंद है। जैसे ही उसने डुप्लिकेट चाबी से दरवाजा खोला तो आंखें फटी की फटी रह गईं। इसमें देखा गया कि समशेर लहूलुहान हालत में कमरे में पड़ा हुआ है। पत्नी की चीख-सुनकर परिवार के बाकी लोग और

स्थानीय लोग दौड़ पड़े। पुलिस को सूचना दी गई। कोलकाता पुलिस होमिसाइड और साउथ ईस्ट डिवीजन के डीसीपी भोलानाथ पांडे मौके पर आये। सूत्रों के अनुसार ये शक की सुई राहुल नाम के शख्स की ओर इशारा कर रही है। राहुल शमशेर का साथी था और बीती रात उसी के साथ था लेकिन हत्याकांड की इस घटना के बाद से राहुल फरार है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह शमशेर कंस्ट्रक्शन का काम करता था। फॉरेंसिक अधिकारियों के मुताबिक पूरे घर में खून फैला हुआ था। शव को देखकर प्राथमिक अनुमान लगाया जा रहा हैं कि शमशेर के सिर पर किसी धारदार हथियार से वार किया गया है। पुलिस ने घटनास्थल से एक चापड़ भी बरामद किया है। पुलिस का अनुमान हैं कि इसी हथियार से शमशेर की हत्यी की गयी होगी।

ओएमआर शीट की खोज में सीबीआई ने लगातार पांचवें दिन की छापेमारी

एजेंसी

कोलकाता । शिक्षक नौकरी भ्रष्टाचार के मामले में सीबीआई अधिकारियों ने लगातार पांचवें दिन शहर की एक निजी कंपनी के परिसर में तलाशी अभियान जारी रखा है। सीबीआई की टीम एम एस बसु रॉय एंड कंपनी के दक्षिण एवेन्यू क्षेत्र में स्थित कार्यालय में तलाशी के दौरान दो सर्वर और हार्ड डिस्क जब्त कर चुकी है। भी कंपनी के परिसर में तलाशी अभियान चल रहा है। सीबीआई के एक अधिकारी ने बताया कि उनका मुख्य ध्यान भर्ती परीक्षाओं में उपयोग किए गए ऑप्टिकल मार्क रिकग्निशन (ओएमआर) शीट्स के डिजिटल बैकअप को ढूंढने पर है। उन्होंने कहा, जब्त किए गए सर्वर और हार्ड डिस्क का फॉरेंसिक परीक्षण किया जाएगा ताकि डेटा पुनः प्राप्त किया जा सके। हमारे अधिकारी विशेष रूप से डिजिटल प्रतियों के लिए खोज कर रहे हैं, अगर उन्हें बैकअप के रूप में संग्रहीत किया गया है तो कहीं ना कहीं छुपाया गया है।

कोर्ट ने दिया है ये आदेश

दरअसल पिछले सप्ताह, कलकत्ता उच्च न्यायालय ने सीबीआई को निर्देश दिया कि वे टीचर्स' एलिजिबिलिटी टेस्ट (टीईटी) 2014 में उपयोग किए गए ओएमआर शीट्स के मूल या नष्ट सर्वरों, डिस्कों या अन्य भंडारण मीडिया को सावधानीपूर्वक ढूंढें और पुनः प्राप्त करें। अदालत ने यह भी निर्देश दिया कि सीबीआई को राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी), विप्रो, टीसीएस, इन्फोसिस जैसे विशेषज्ञ सार्वजनिक या निजी संगठनों से सहायता लेनी चाहिए, ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि मौजूदा सर्वर, हार्ड डिस्क और कंप्यूटर एम एस बसु रॉय एंड कंपनी या पश्चिम बंगाल प्राथमिक शिक्षा बोर्ड के हैं। बोर्ड ने टीईटी परीक्षा प्रक्रिया का काम आउटसोर्स किया था। सीबीआई को यह जांचना है कि उनमें से किसी में भी टीईटी 2014 की स्कैन की गई ओएमआर शीट्स का कोई डिजिटल निशान है या नहीं। अदालत ने यह भी कहा था कि इन विशेषज्ञ एजेंसियों द्वारा किए गए खर्चों को सीबीआई की मांग पर बंगाल बोर्ड द्वारा वहन किया जाएगा। अदालत ने यह अवलोकन किया कि एक बार जब एक डिजिटल निशान बनाया जाता है।

मुहर्रम कमिटी के सदस्यों ने ताजिया जुलूस रूट का लिया जायजा

एजेंसी

अररिया । फारबिसगंज में 17 जुलाई को मुहर्रम को लेकर ताजिया जुलूस निकाला जायेगा,जिसमे विभिन्न अखाड़े के लोग ताजिया के साथ साथ सबसे बड़ी बात होती है सिया और सुन्नी समुदाय का साथ मिलकर ताजिया जुलूस में शामिल होना।जुलूस में हजारों की संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग पारंपरिक लाठी डंडा,तलवार फरसा के साथ भाग लेते हैं और दस आना कचहरी से लेकर करबल्लाह के मैदान तक इन पारंपरिक शस्त्रों के साथ शारीरिक प्रदर्शन पेश करते हैं। फारबिसगंज में मुहर्रम पर निकलने वाले ताजिया जुलूस को लेकर अनुमंडल पदाधिकारी शैलजा पांडे के निर्देश पर विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ मुहर्रम कमिटी के सदस्यों ने दस आना कचहरी से लेकर करबल्लाह के मैदान तक जुलूस रूट का जायजा लिया। बदहाल और गड्ढेनुमा सड़क के दुरुस्तीकरण के साथ लटकते बिजली के तार और सड़क के किनारे पेड़ों और उनके लटकते टहनियों का जायजा लेते हुए उनकी कंटाई छंटाई और अन्य इंतजाम को लेकर निर्णय लिया गया।

तेज बारिश में एम्बुलेंस सहित तीन वाहन एक दूसरे से टकराये, तीन घायल

एजेंसी

पूर्वी चंपारण। जिले के कोटवा थाना क्षेत्र के एनएच 27 पर कदम चौक के समीप एक कार , पिकअप एवं एम्बुलेंस की जोरदार टक्कर हो गयी, जिसमे कार चालक व एम्बुलेंस पर सवार तीन लोग घायल हो गये। बताया गया है कि शुक्रवार की सुबह तेज बारिश के बीच तीनो वाहन एक के बाद एक,एक दूसरे को पीछे से टक्कर मार दी। इस घटना में कार अधिक क्षतिग्रस्त हुआ है , जिसने आगे चल रहे पिकअप को जोरदार टक्कर मारी और अनियंत्रित हो गई। इस बीच पीछे से उसे एम्बुलेंस ने टक्कर मार दी। घटना के बाबत एम्बुलेंस चालक रणजीत कुमार ने पुलिस को सूचना दी , जहां तत्काल कोटवा व पिपराकोठी की 112 की टीम पहुंची और घायलों को इलाज के लिए पीएचसी पहुँचाया। बताया कि एम्बुलेंस मरीज को लेकर पटना से गोरखपुर जा रही थी, जिसमे मरीज सहित दो बच्चे एवं दो महिला सवार थे। वही कार में सिर्फ एक व्यक्ति चालक सीट पर था। यह महज संयोग ही रहा है जिससे एक बड़ी घटना टल गई और इस तीन वाहनों के टक्कर में कोई हताहत नही हुआ। इस बाबत कोटवा थानाध्यक्ष राजरूप राय ने बताया है कि तीनों वाहन को जब्त कर कार्रवाई की जा रही है।

सोशल मीडिया पर चलाया मिशन, कन्यादान', फिर हजारों रुपए के साथ धूमधाम से हुआ गरीब विधवा मां की बेटी का विवाह

चमकता राजस्थान

धौलपुर रामदास तरुण

बाड़ी उपखण्ड के गांव खानपुर में 12 जुलाई 24 को गरीब विधवा मां की बेटी का विवाह, हर लड़की की चाहत होती है कि उसकी शादी धूमधाम से हो। शादी में अच्छे गिफ्ट मिलें। लेकिन आज भी कुछ गरीब परिवार ऐसे हैं! जिनके घर में बेटियों की शादी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण समय पर नहीं हो पाती है। लेकिन बाड़ी उपखंड क्षेत्र के खानपुर मीना गांव के युवाओं की टीम हर घर शिक्षा ने गांव की बेटी ललिता जाटव के कन्यादान के लिए मिशन कन्यादान अभियान सोशल मीडिया पर चलाया तो लोगों ने दिल खोलकर सहयोग किया। जिसके चलते 70 हजार रुपए नकद के साथ ही अनेक घरेलू सामान भी कन्यादान स्वरूप प्राप्त हुए। जिसके चलते

एक गरीब बेटी की शादी काफी धूमधाम से संपन्न हुई। गौरतलब है! कि ललिता का परिवार शादी को लेकर सक्षम नहीं होने के चलते खानपुर गांव की टीम हर घर शिक्षा और युवाओं ने मिशन कन्यादान अभियान की शुरुआत की। क्षेत्र के युवाओं ने आर्थिक तंगी को देखते हुए सोशल मीडिया पर मिशन कन्यादान के नाम से अभियान चलाया तो लोगों ने दिल खोलकर गरीब परिवार की मदद में सहयोग किया।

जानकारी के अनुसार ललिता के पिता भगवान दास जाटव की 14 साल पहले टी.बी की बीमारी से मौत हो गई थी। इनके परिवार में 4 बहनों के बीच एक छोटा भाई है, वह भी अधिकतर समय बीमार रहता है। पिता की मृत्यु के बाद परिवार पर मातम छा गया लेकिन जैसे तैसे माताजी ने मजदूरी करके अपने परिवार का भरण पोषण किया। 2 बच्चियों की शादी इनके पिताजी अपने जीवन काल में ही कर गए थे! और विगत दिवस ललिता की शादी 11 मई पुरैनी गांव निवासी रामनिवास अजमेरिया के पुत्र भोला के साथ धूमधाम से संपन्न हुई। जिसके चलते ललिता के छोटे भाई एवं परिवार जनों ने अभियान की शुरुआत करने वाले युवाओं एवं शादी में सहयोग करने वाले लोगों का आभार जताया। मिशन कन्यादान के सूत्रधार रोहित मीणा ने बताया कि सामान के बिल सहित नकद राशि को उनकी माताजी के हाथों परिवार जनों को सौप दिया है। इस कान्यदान में टीम के सक्रिय सदस्य सौरव के साथ भूरी सिंह, अजमेर सिंह, बल्लू, नीरज और हर घर शिक्षा छात्रों की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही। इस अवसर पर काजल परमार, वंदना शिवहरे, भगवान सिंह मीना, पशु प्रेमी रामू चौधरी, मौहर सिंह मीना सीनियर नर्सिंग ऑफिसर, रनसिंह बाबूजी, हाकिम मीना, मोहन सिंह सैन, उदयभान, हरकिशन, रामविलास, जादौन, खेम सिंह एवं समस्त जाटव बस्ती के साथ टीम हर घर शिक्षा मौजूद रहें।

- **इस अवसर पर टीम हर घर शिक्षा ने पर्यावरण को बचाने के लिए शुरु की एक अनौखी पहल**

» शादी को यादगार बनाने के लिए वर – बधु द्वारा एक फलदार पौधा लगाया गया जो भविष्य में होने वाली खानपुर गांव की बहनों की प्रत्येक शादी मे टीम के सहयोग से लगाया जाया करेगा। इसके मां उस पेड़ अपनी बेटी समझ कर पौधे का पालन पोषण करके भविष्य में फल प्राप्त करेगी जिससे पर्यावरण भी बचेगा और यादगार पल भी बनेगा।

12वीं के बाद करें गेम डिजाइनिंग का कोर्स, कॅरियर ग्रोथ के साथ मिलेगा लाखों का पैकेज

अगर आप भी 12वीं के बाद किसी बेहतरीन फील्ड की तलाश में हैं, तो गेमिंग फील्ड आपके लिए एक अच्छा ऑप्शन साबित हो सकता है। इस फील्ड में डायरेक्ट और इनडायरेक्ट तौर पर लाखों की संख्या में जॉब्स पैदा होने की संभावनाएं हैं।

अगर आप भी 12वीं के बाद किसी ऐसे कोर्स की तलाश में हैं, जहां पर आपके कॅरियर ग्रोथ के साथ अच्छा पैसा कमा सकें। तो बता दें कि आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। क्योंकि आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको एक बेहतरीन कॅरियर आप्शन के बारे में बताने जा रहे हैं। बता दें कि इस फील्ड में आने के बाद आपको किस तरह का कॅरियर ग्रोथ मिलेगा। इस फील्ड में आने के लिए क्या क्वालिफिकेशन चाहिए होती है, इन सारे सवालों के जवाब आपको इस आर्टिकल में मिलेंगे। ऐसे में अगर आप भी 12वीं के बाद किसी बेहतरीन फील्ड की तलाश में हैं, तो गेमिंग फील्ड आपके लिए एक अच्छा ऑप्शन साबित हो सकता है।

वर्तमान समय की बात करें तो देश में गेमिंग इंडस्ट्री में 50,000 से ज्यादा लोग फुल टाइम वर्क कर रहे हैं। जिसमें से 30 फीसदी लोग प्रोग्रामर और डेवलपर के तौर पर काम कर रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक साल 2024-25 में यह फील्ड 20-30 प्रतिशत की दर से ग्रोथ करेगा। वहीं इस फील्ड में डायरेक्ट और इनडायरेक्ट तौर पर लाखों की संख्या में जॉब्स पैदा होने की संभावनाएं हैं।

गेम डिजाइनर

गेम डिजाइनर गेम के कैरेक्टर्स, गेम के लेवल के अलावा तमाम बारीकियों को ध्यान में रखकर उसे इंट्रेस्टिंग बनाने पर फोकस करते हैं। वहीं गेम राइटर डायग्राम आदि बनाकर उसके अलग-अलग वर्जन को तैयार करते हैं। गेम डिजाइनर को टेक्निकल नॉलेज होने के साथ ही सोच में क्रिएटिविटी भी होनी चाहिए। गेम तैयार करने के लिए उसकी डिजाइन, डेवलपर्स, आर्टिस्ट्स और अन्य प्रोफेशनल की टीम एक साथ वर्क करती है।

क्वालिफिकेशन

- छात्र ने साइंस स्ट्रीम से 12वीं पास किया हो।
- कंप्यूटर और सॉफ्टवेयर की नॉलेज होना जरूरी होता है।
- गेम डिजाइनर बनने के लिए आपकी इंग्लिश भाषा पर अच्छी पकड़ होनी जरूरी है।
- इस फील्ड में आप गेम डिजाइनिंग, गेम डेवलपिंग, आर्ट, एनिमेशन, कंप्यूटर साइंस, कंप्यू[...] मार्केटिंग में बैचलर डिग्री या पेशेव[...] सकते हैं।

जरूरी स्किल्स

- गेमिंग फील्ड में कॅरियर बनाने वा[...] कैरेक्टर डिजाइन, एनिमेशन, कां[...] इफेक्ट की जानकारी होनी चाहिए[...]
- इस फील्ड में 2 डी गेम डेवलपर्स, [...] जावा आदि में अपार संभावनाएं हैं।
- इस फील्ड में डिजाइनिंग के साथ 2डी सॉफ्टवेयर और 3डी मॉड्यूलिंग की नॉलेज होना बहुत जरूरी है।
- ऑडियो इंजीनियर के लिए युवाओं के पास साउंड इंजीनियरिंग और अन्य लैंग्वेज की जानकारी होना बेहद जरूरी है।

जॉब प्रोफाइल

- इस फील्ड में युवा एनिमेटर, क्यूएक टेस्टर, ऑडियो इंजीनियर, गेम डिजाइनर, गेम डेवलपर, सॉफ्टवेयर इंजीनियर और प्रोड्यूसर, मैनेजर्स, कास्टर्स, ईस्पोर्ट्स प्रोफेशनल्स, स्ट्रीमर्स, इंफ्यूएंसर्स के तौर पर अपना कॅरियर बना सकते हैं।

सैलरी

- इस क्षेत्र में अपना कॅरियर शुरू करने पर आपको 3 से 5 लाख रुपये सालाना की नौकरी आसानी से मिल जाती है। वहीं एक्सपीरियंस बढ़ने पर सालाना 13 से 15 लाक तक का भी पैकेज उठा सकते हैं। बता दें कि गेम प्रोड्यूसर इस फील्ड में सालाना 10 लाख रुपए तक कमा रहे हैं।

हॉस्पिटल मैनेजमेंट का कोर्स कर कॅरियर को दें नई उड़ान

हॉस्पिटल मैनेजमेंट को हेल्थकेयर एडमिनिस्ट्रेशन और हेल्थ एडमिनिस्ट्रेशन के तौर पर भी जाना जाता है। इसका काम हॉस्पिटल में सभी व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से चलवाना है। इस कोर्स को करने के लिए स्टूडेंट का 12वीं कक्षा साइंस स्ट्रीम के साथ पास होना जरूरी है।

कोरोना महामारी के बाद हेल्थ सेक्टर में कई बड़े बदलाव हुए हैं। साथ ही कॅरियर के तौर पर भी कई ऑप्शन सामने आए हैं। बता दें कि पहले नर्सिंग और एमबीबीएस कर मेडिकल सेक्टर में कॅरियर बनाया जा सकता था। लेकिन अब इस सेक्टर में मेडिकल की डिग्री के बिना भी आप अपना कॅरियर बना सकते हैं। इन्हीं में से एक कॅरियर ऑप्शन हॉस्पिटल मैनेजमेंट का है। हॉस्पिटल मैनेजमेंट को हेल्थकेयर एडमिनिस्ट्रेशन और हेल्थ एडमिनिस्ट्रेशन के तौर पर भी जाना जाता है। इस सेक्टर से जुड़े लोगों के अनुसार, स्वास्थ्य संबंधित सेवाओं के विस्तार के अलावा हॉस्पिटल मैनेजमेंट के क्षेत्र में भी काम बढ़ रहा है। आइए जानते हैं आप कैसे इस सेक्टर में अपना कॅरियर शुरू कर सकते हैं।

जानिए क्या है हॉस्पिटल मैनेजमेंट

हॉस्पिटल मैनेजमेंट हेल्थ केयर एडमिनिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट के क्षेत्र में आता है। इसका काम हॉस्पिटल में सभी व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से चलवाना है। इसके अलावा इसका काम यह सुनिश्चित करना है कि हॉस्पिटल आने वाले मरीजों और वहां काम करने वाले कर्मचारियों को किसी तरह की कोई समस्या ना हो। हॉस्पिटल मैनेजमेंट टीम इन व्यवस्थाओं को सुनियोजित करने का काम भी करती है।

अहम है यह फील्ड

हॉस्पिटल मैनेजमेंट के तहत हॉस्पिटल में चलने वाली कैंटीन से लेकर लिफ्ट तक का कार्यभार ही आता है। किसी भी संचालन में कमी और अस्पताल में होने वाले हादसों की जिम्मेदारी भी हॉस्पिटल मैनेजमेंट की होती है। एक सर्वे के मुताबिक भारत में साल 2025 तक 10 लाख से ज्यादा हॉस्पिटल मैनेजर्स की जरूरत होगी।

हॉस्पिटल मैनेजमेंट कोर्स

कई संस्थान हॉस्पिटल मैनेजमेंट में बैचलर की डिग्री देते हैं। यह कोर्स 3 साल का होता है। इसके अलावा आप इसमें प्रोफेशनल कोर्स में मास्टर्स डिग्री भी प्राप्त कर सकते हैं। वर्तमान समय में हॉस्पिटल मैनेजमेंट के कोर्स में एमबीए वालों को प्राथमिकता दी जा रही है। वहीं प्राइवेट संस्थान हॉस्पिटल मैनेजमेंट कोर्स डिप्लोमा सर्टिफिकेट भी देते हैं।

क्वालिफिकेशन

हॉस्पिटल मैनेजमेंट कोर्स करने के लिए स्टूडेंट का 12वीं कक्षा साइंस स्ट्रीम के साथ पास होना आवश्यक होता है। यह कोर्स करने के लिए छात्र के 12वीं में बायोलॉजी में न्यूनतम 50% अंक होने जरूरी है। कुछ शैक्षणिक संस्थान इंटरव्यू और टेस्ट के आधार पर भी इस कोर्स में दाखिला देते हैं।

सैलरी

हॉस्पिटल मैनेजमेंट कोर्स करने के बाद उम्मीदवार 40 से 50 हजार रुपये प्रतिमाह कमाने का मौका मिलता है। इसके अलावा सरकारी संस्थान में एक से डेढ़ लाख रूपए महीने की सैलरी उठा सकते हैं। समय और अनुभव बढ़ने के साथ ही सैलरी में भी बढ़ोतरी होती जाएगी।

यहां से करें हॉस्पिटल मैनेजमेंट कोर्स

- अपोलो इंस्टिट्यूट ऑफ हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन, हैदराबाद
- इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल वेलफेयर एंड मैनेजमेंट, कोलकाता
- आर्म्ड फोर्सेज मेडिकल कॉलेज, पुणे
- देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर
- एम्स, नई दिल्ली

10वीं के बाद करें ज्वेलरी डिजाइनिंग का कोर्स, कमाई के मिलेंगे बेहतर अवसर

10वीं के बाद ज्वैलरी डिजाइनिंग का कोर्स कर छात्र-छात्राएं अपने भविष्य को नई उड़ान दे सकते हैं। हालांकि इस कोर्स को करने के लिए क्रिएटिविटी का होना काफी जरूरी है। बता दें कि एक ज्वैलरी डिजाइनर का मुख्य काम ज्वैलरी के स्टाइल और पैटर्न को अच्छे से सेट करना होता है।

समय के साथ ही अब लोग अलग-अलग क्षेत्रों में अपना कॅरियर बना रहे हैं। आए दिन नए-नए कोर्स आ रहे हैं। जिससे कि युवा पीढ़ी इन कोर्स को कर अपने फ्यूचर को नई दिशा दे सके। बता दें कि इन कोर्सेज में एक कोर्स ज्वैलरी डिजाइनिंग का भी है। ज्वैलरी डिजाइनिंग का कोर्स कर छात्र-छात्राएं अपने भविष्य को नई उड़ान दे सकते हैं। हालांकि इस कोर्स को करने के लिए क्रिएटिविटी का होना काफी जरूरी है। इस क्षेत्र में काम करने के लिए आपको काम के प्रति लगाव और नया करने की सोच लानी होगी।

इस फील्ड में विभिन्न प्रकार के स्टोन्स और मेटल्स की जानकारी और अच्छी डिजाइनिंग सेंस का होना भी जरूरी है। इस फील्ड में सक्सेजफुल होने के लिए कल्पनाशीलता के साथ-साथ आपका मार्केट रिसर्च वर्क भी बेहतर होना जरूरी होता है। बता दें कि एक ज्वैलरी डिजाइनर का मुख्य काम ज्वैलरी के स्टाइल और पैटर्न को अच्छे से सेट करना होता है। इस काम के लिए ऑटो कैड, 3डी स्टूडियो, फोटोशॉप, इलस्ट्रेटर और कोरल ड्रा जैसे सॉफ्टवेयर की मदद लेनी होती है। इस फील्ड में कॅरियर बनाने के लिए छात्रों को दसवीं पास होना अनिवार्य है।

सर्टिफिकेट कोर्स

- बेसिक ज्वैलरी डिजाइन
- कैड फॉर जेम्स एंड ज्वैलरी
- बीएससी कोर्स
- बीएससी इन ज्वैलरी डिजाइन
- बैचलर ऑफ ज्वैलरी डिजाइन
- बैचलर ऑफ एक्सेसरीज डिजाइन

डिप्लोमा कोर्स

- डिप्लोमा इन ज्वैलरी डिजाइन एंड जैमोलॉजी
- ज्वैलरी मैन्युफैक्चरिंग

यहां से करें कोर्स

- जैमोलॉजी इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया, मुंबई
- जैमस्टोन्स आर्टिसन्स ट्रेनिंग स्कूल, जयपुर
- इंडियन जैमोलॉजी इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली
- जैम एंड ज्वैलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल, जयपुर

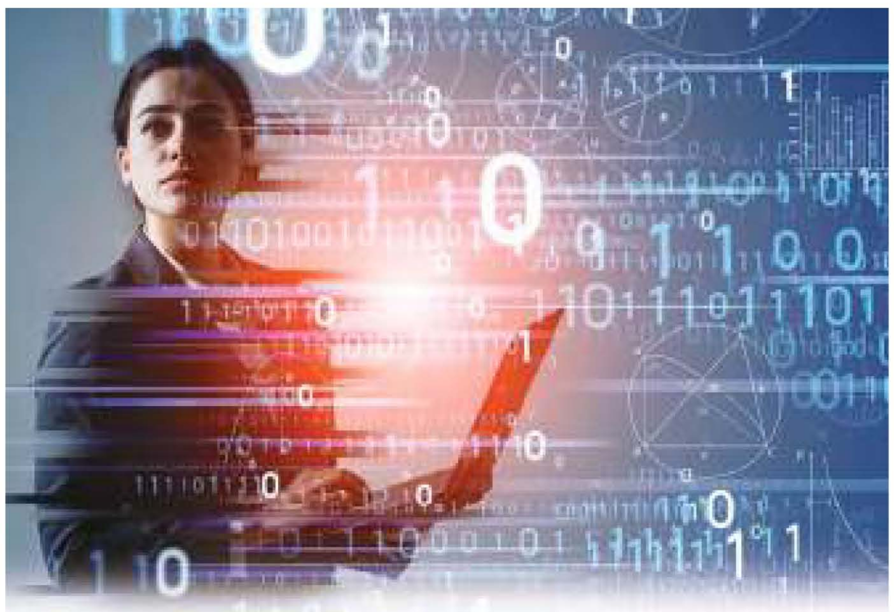

डेटा साइंटिस्ट फील्ड में बनाना चाहते हैं कॅरियर तो यहां देखें सारी डिटेल्स

डेटा साइंस शब्द से अक्सर आप रूबरू होते होंगे। जाहिर सी बात है लोगों के दिमाग में डेटा साइंस को लेकर कई सवाल भी रहते होंगे। जैसे-जैसे देश-दुनिया में डेटा का महत्व बढ़ रहा है। उसी तेजी के साथ डेटा साइंटिस्ट, डेटा एनालिटिक्स जैसे जॉब के अवसर भी सामने आ रहे हैं।

डेटा साइंस शब्द से अक्सर आप रूबरू होते होंगे। जाहिर सी बात है लोगों के दिमाग में डेटा साइंस को लेकर कई सवाल भी रहते होंगे। वहीं कुछ लोग इन सवालों का जवाब पाने के लिए इंटरनेट का सहारा भी लेते हैं। अगर आप भी डेटा साइंट के बारे में ज्यादा से ज्यादा जानकारी हासिल करना चाहते हैं तो फिर यह आर्टिकल आपके लिए है। क्योंकि इस आर्टिकल के जरिए हम आपको डेटा साइंस से जुड़े सभी सवालों के जवाब देने की कोशिश करेंगे।

आपको बता दें कि जैसे-जैसे देश-दुनिया में डेटा का महत्व बढ़ रहा है। उसी तेजी के साथ डेटा साइंटिस्ट, डेटा एनालिटिक्स जैसे जॉब के अवसर भी सामने आ रहे हैं। बता दें कि बताया जा रहा है कि आने वाले 10-15 सालों में इस कोर्स का स्कोप काफी ज्यादा होगा। इस सेक्टर में नौकरियों की भरमार होने वाली है। ऐसे में अगर आपको लैपटॉप और कंप्यूटर की अच्छी खासी जानकारी है। तो डेटा साइंस से जुड़ा कोई भी कोर्स आपके लिए है। इस फील्ड में आप अपना शानदार कॅरियर बना सकते हैं।

12वीं के बाद डेटा साइंस का कोर्स

इन्फॉरमेशन टेक्नोलॉजी के बढ़ते इस दौर में डेटा का महत्व काफी बढ़ गया है। ऐसे में डेटा साइंस एक उभरती हुई फील्ड है। वहीं इससे जुड़े कोर्सेज में एडमिशन लेने और पढ़ाई करने की दौड़ भी तेज हो गई है। ऐसे में आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि 12वीं के बाद डेटा साइंस की पढ़ाई के लिए कौन से कोर्सेज में दाखिला लिया जा सकता है। साथ ही यह भी जानेंगे कि इसमें कॅरियर की क्या संभावनाएं हैं। 12वीं के बाद छात्रों के सामने कई ऑप्शन हैं। 12वीं के बाद इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने के लिए BTech, Bsc और BCA जैसे कोर्सेज किये जा सकते हैं।

BTech- Data Science का कोर्स चार साल का होता है। इसे आप रेगुलर मोड में भी किया जा सकता है। इस कोर्स में स्टूडेंट्स को डेटा से जुड़े टूल्स और टेक्निक्स सिखाये जाते हैं। जिसकी मदद से डेटा का इस्तेमाल किया जा सकता है। इस कोर्स में यह भी बताया जाता है कि उस डेटा को कैसे काम में लाया जाता है। साथ ही इंजीनियरिंग फिजिक्स से लेकर अलग-अलग थ्योरीज को पढ़ाया जाता है। BTech करने के लिए PCM के साल 12वीं में 50% अंक होना अनिवार्य है। हांलाकि कई अच्छे कॉलेजों में PCM के साथ 60% अंक मांगते हैं। लेकिन अगर आप IIT जैसे संस्थान में दाखिला लेना चाहते हैं तो आपको BTech करने के लिए 75% नंबर होना जरूरी है।

BSc-Data Science

यह डिग्री कोर्स तीन साल का है। इसमें कई तरह के डोमेन होते हैं। जैसे- बिजनेस एनॉलिटिक्स, कंप्यूटर साइंस और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस आदि। इस कोर्स में छात्रों को बिजनेस और कंप्यूटर के साथ AI के बारे में भी बताया जाता है। डेटा साइंस में बिग डेटा एनॉलिटिक्स, मशीन लर्निंग और स्टैटिस्टिक्स जैसे कई कॉन्सेप्ट्स पढ़ाए जाते हैं। जिनके इस्तेमाल से आम लोगों से जुड़ी समस्याओं को हल किया जाता है। डेटा साइंस में BSc करने के लिए छात्रों के 12वीं में 50 फीसदी अंक होना अनिवार्य है। इस कोर्स को करने से लिए 12वीं में साइंस स्ट्रीम का होना जरूरी है। अन्य स्ट्रीम वाले स्टूडेंट्स को भी कुछ कॉलेज एडमिशन देते हैं। यहां पर कॅरियर ऑप्शन की कमी नहीं है। बैंकिंग जैसे क्षेत्र में डेटा साइंटिस्ट, प्रोसेस एनॉलिस्ट, बिजनेस, हेल्थकेयर और बिजनेस एनालिस्ट की नौकरियां उपलब्ध हैं।

BCA

BCA भी तीन साल का अंडरग्रेजुएट कोर्स है। इस कोर्स में कंप्यूटर और मैथमैटिकल साइंस से जुड़ा करिकुलम छात्रों को पढ़ाया जाता है। आज की तेजी से बदलती IT इंडस्ट्री को ध्यान में रख कर ये कोर्स बनाया गया है। इस कोर्स में छात्रों को डेटा साइंस से जुड़े कॉन्सेप्ट्स को और उनके एप्लिकेशन को समझाने पर जोर दिया जाता है। इस कोर्स में दाखिला लेने के लिए स्टूडेंट्स के 12वीं में 50 फीसदी अंक होने जरूरी हैं। इस कोर्स में साइंस स्ट्रीम वाले छात्रों को भी सुविधा दी जाती है। छात्रों को कॅरियर बनाने के लिए अनेक मौके यहां पर उपलब्ध हैं। विप्रो और अमेजॉन जैसी बड़ी कॉरपोरेट कंपनियों में डेटा इंजीनियर, डेटा आर्किटेक्ट और डेटाबेस एडमिनिस्ट्रेटर के पदों पर काम करने का मौका मिलता है।

डिप्लोमा इन डेटा साइंस

डेटा साइंस में डिप्लोमा दो साल का हो सकता है। इसमें स्टूडेंट्स को डेटा एनॉलिटिक्स और डेटा साइंस में ट्रेंड किया जाता है। बता दें कि डिग्री के मुकाबले डिप्लोमा कोर्स में कम खर्च होता है। इस कोर्स को करने से कम समय में ज्यादा स्किल्स सीखने का मौका मिलता है। 12वीं के बाद छात्र यूजी के बाद भी डिप्लोमा कर सकते हैं। डिप्लोमा कोर्स करने के बाद बिजनेस इंटेलीजेंस एनॉलिस्ट, रिसर्च एनॉलिटिक्स और एनॉलिटिक्स मैनेजर जैसे पदों पर काम करने के मौके हैं।

सर्टिफिकेट कोर्स

तकनीक के बढ़ते ब्यूग में ऑनलाइन कोर्सेज की काफी भरमार है। दुनिया की कई बड़ी कम्पनियां ऐसे कोर्सेज को लेकर आ रही हैं। इसी लिस्ट में डेटा साइंस का सर्टिफिकेट कोर्स भी शामिल है। इस ऑनलाइन कोर्स कराने वाली कोर्सएरा, उडेमी जैसी कंपनियां इस कोर्स को करवाती हैं। इस कोर्स को करने के लिए छात्रों को कंप्यूटर साइंस और प्रोग्रामिंग लैंग्वेज का आना अनिवार्य नहीं है। इस कोर्स में छात्रों को डेटा एनालिटिक्स, मशीन लर्निंग और डेटा विजुअलाइजेशन जैसे कॉन्सेप्ट्स पढ़ाये जाते हैं।

एक नजर

बीएसएफ ने भारत-पाक सीमा से संदिग्धावस्था में पकड़ा उप्र का युवक

चंडीगढ़। बीएसएफ ने पंजाब में भारत-पाक सीमा पर गश्त के दौरान एक व्यक्ति को संदिग्ध हालात में घूमते हुए गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया व्यक्ति उत्तर प्रदेश के शामली जिले का रहने वाला है। बीएसएफ तथा पंजाब पुलिस की टीमों द्वारा पकड़े गए व्यक्ति से पूछताछ की जा रही है। बीएसएफ 55 बटालियन के कमांडेंट के. एन त्रिपाठी के अनुसार बीती रात गश्त के दौरान फाजिल्का के भारत-पाकिस्तान सरहदी इलाके की बाओपी खानपुर के अंतरराष्ट्रीय फैंसिंग के पास संदिग्ध हालात में एक व्यक्ति को पकड़ा गया है। उसने अपना नाम साजिद अली, निवासी खुरगान, जिला शामली (उप्र) का रहने वाला बताया है। उसका कहना है कि वह धान की रोपाई के सीजन के दौरान मजदूरों के समूह में इधर आया था। रास्ता भटकने के कारण वह सीमा के निकट अंतरराष्ट्रीय फैंसिंग के पास चला गया। बीएसएफ द्वारा उक्त व्यक्ति से पूछताछ की जा रही है कि वह रात के समय इधर क्या कर रहा था। बीएसएफ अधिकारी के मुताबिक पकड़े गए व्यक्ति को थाना खुईखेड़ा पुलिस के हवाले कर दिया गया है। उसने अपना जो पता बताया है, उसके आधार पर उत्तर प्रदेश पुलिस से संपर्क किया गया है।

असम में 563.67 किमी लंबी 78 सड़कों और 14 पुलों का होगा निर्माण

नई दिल्ली। ग्रामीण विकास मंत्रालय ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना-III के अंतर्गत पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचे का विकास करने की घोषणा की है। ग्रामीण विकास मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान जारी कर कहा कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत असम में 563.67 किलोमीटर लंबी 78 सड़कों और 14 पुलों का निर्माण किया जाएगा। इस परियोजना पर 378.68 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। ग्रामीण विकास मंत्रालय के मुताबिक इस पहल से ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क सम्पर्क बढ़ेगा तथा दूरदराज के गांवों और शहरी केंद्रों के बीच की खाई को पाटा जा सकेगा। क्षेत्र में आर्थिक विकास, व्यापार और वाणिज्य को बढ़ावा मिलेगा। रोजगार के अवसर पैदा होंगे और स्थानीय अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहन मिलेगा। यह पूर्वोत्तर को समृद्ध बनाने और विकसित भारत के साथ उसका तालमेल बैठाने के सरकार के दृष्टिकोण के अनुरूप होगा। स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और बाजार जैसी आवश्यक सेवाओं तक पहुंच में सुधार होगा।

त्रिपुरा में 118.756 किलोमीटर की 42 सड़कों का होगा निर्माण

नई दिल्ली। ग्रामीण विकास मंत्रालय ने त्रिपुरा राज्य के लिए 114.32 करोड़ रुपये के अनुमानित निवेश के साथ 118.756 किलोमीटर की 42 सड़कों के निर्माण के लिए स्वीकृति दी है। इसका उद्देश्य राज्य में रहने वाले विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार लाना है। शुक्रवार को ग्रामीण विकास मंत्रालय ने एक बयान में कहा है कि पूर्वोत्तर क्षेत्र में ग्रामीण संपर्क को मजबूत करने और आर्थिक विकास में तेजी लाने के मद्देनजर त्रिपुरा राज्य के लिए यह निवेश किया गया है। मंत्रालय के मुताबिक इस ऐतिहासिक पहल के तहत त्रिपुरा राज्य की 47 कमजोर जनजातीय समूहों एवं बस्तियों में रहने वालों को सभी मौसम में सड़क सुविधा उपलब्ध कराना है। इससे गांव और शहर के बीच दूरी कम हो जाएगी। आर्थिक विकास, व्यापार और वाणिज्य को बढ़ावा मिलेगा। स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और बाजारों जैसी आवश्यक सेवाओं तक पहुंच में सुधार होगा। रोजगार के अवसर पैदा करना और स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा।

अमरनाथ यात्रा : 4,400 से अधिक श्रद्धालुओं का 15वां जत्था जम्मू से रवाना

जम्मू। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शुक्रवार को 4,400 से अधिक श्रद्धालुओं का पंद्रहवां जत्था अमरनाथ तीर्थयात्रा में शामिल होने के लिए जम्मू से रवाना हुआ। अधिकारियों ने बताया कि जम्मू शहर के भगवती नगर आधार शिविर जहां से तीर्थयात्री जम्मू से कश्मीर के लिए अपनी यात्रा पर निकले थे उनकी सुरक्षा बढ़ा दी गई है। उन्होंने बताया कि 4,434 तीर्थयात्रियों का पंद्रहवां जत्था 165 वाहनों में सवार होकर सुबह 3 बजे पहलगाम तथा बालटाल आधार शिविरों के लिए रवाना हुआ और उन्हें सीआरपीएफ सुरक्षाकर्मियों ने सुरक्षा प्रदान की। अधिकारियों ने बताया कि 2,713 तीर्थयात्री 48 किलोमीटर लंबे पारंपरिक पहलगाम मार्ग से यात्रा करेंगे जबकि 1,721 तीर्थयात्री 14 किलोमीटर लंबे छोटे लेकिन कठिन रास्ते बालटाल से यात्रा करेंगे। इस जत्थे के साथ ही जम्मू से यात्रा के लिए रवाना होने वाले लोगों की संख्या 81,644 हो गई है। यह तीर्थयात्रा 19 अगस्त को समाप्त होगी।

नेपाल में बारिश व भूस्खलन से काठमांडू व पोखरा में मची तबाही, कई सड़क अवरूद्ध

भूस्खलन की चपेट में आयी दो यात्री बसें त्रिशुली नदी में बही, 65 लापता

एजेंसी

काठमांडू। काठमांडू की तरफ आ रही यात्रियों से भरी दो बसें शुक्रवार को नदी में गिरने से उसमें सवार 65 यात्री लापता हैं। लगातार हो रही मूसलाधार बारिश, नदी में आई बाढ़ और भूस्खलन की वजह से घटनास्थल पर राहत एवं बचाव कार्य अबतक शुरू नहीं हो पाया है।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक बीरगंज से काठमांडू के तरफ आ रही एंजल नाइट बस और काठमांडू से गौर की तरफ जा रही गणपति ट्रैवल्स की बसों के भूस्खलन की चपेट में आकर नदी में गिरने की जानकारी मिली है। राजमार्ग सुरक्षा में रहे हाइवे पेट्रोलिंग पुलिस टीम ने बताया कि चितवन में अचानक भूस्खलन के कारण दोनों बसें सुबह करीब 3 बजे त्रिशुली नदी में गिर गई।

चितवन के प्रमुख जिलाधिकारी इन्द्रदेव यादव के मुताबिक काठमांडू से गौर के तरफ आ रही बस में 43 यात्री सवार थे जबकि बीरगंज से काठमांडू जा रही बस में कुल 22 यात्री सवार थे। उन्होंने बताया कि राहत एवं बचाव कार्य के लिए प्रशासन ने अपनी तरफ से पूरी तरह तैयार है और गोताखोरों की टीम भी स्टैंडबाई है लेकिन तेज बारिश और भूस्खलन से रास्ता बन्द होने के कारण राहत और बचाव का काम अब तक शुरू नहीं किया जा सका है।

इसी बीच खबर मिली है कि काठमांडू से गौर के तरफ जा रहे बस के नदी में गिरने से पहले तीन यात्रियों ने केबिन से कूद कर अपनी जान बचाई है।

यात्रियों की तलाश में 70 गोताखोर उतारे गए

सशस्त्र प्रहरी बल के डीआईजी पुरुषोत्तम थापा ने बताया कि नदी में लापता हुए यात्रियों की तलाश में सशस्त्र प्रहरी बल (एपीएफ) के सात गोताखोरों को त्रिशुली नदी में उतारा गया है। उन्होंने कहा कि एपीएफ की डिजास्टर मैनेजमेंट से जुड़े 70 जवानों को भी राहत व बचाव के काम में लगाया गया है। मौसम की खराबी और रास्ता अवरुद्ध होने कारण इन जवानों को करीब 30 किलोमीटर पैदल चल कर दुर्घटनास्थल पर पहुंचने में कामयाबी मिली है।

एक बस चालक ने अपनी जान देकर बचाई 30 यात्रियों की जान

काठमांडू। नेपाल में गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात बस यात्रियों के लिए सबसे खौफनाक रात रही। भूस्खलन की चपेट में आने से जहां दो यात्री वाहन नदी में डूब गए वहीं एक ऐसी घटना सामने आई है जिसमें बस चालक ने अपनी जान देकर 30 यात्रियों की जान बचाई। स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक भारी बारिश के बीच हुए भूस्खलन के कारण पहाड़ों से मलबे के साथ लगातार बड़े-बड़े पत्थर सड़क पर आ रहे थे। इसी बीच बुटवल से 30 यात्रियों को लेकर काठमांडू आ रही एक यात्री बस बीच रास्ते में नारायणगढ़ मुगलिंग के पास इन पत्थरों की चपेट में आ गई। इस बस में सवार एक यात्री ने पुलिस को बताया कि चालक की तरफ एक बड़ा पत्थर आगे वाले शीशे पर गिर गया जिसके कारण वह चालक गंभीर रूप से लहूलुहान हो गया। चालक ने तत्काल ब्रेक लगा दिया जिससे बस खाई में गिरने से बच गई।

पोखरा में एक ही परिवार के सात लोगों सहित 11 की मौत

काठमांडू। पोखरा के अलग-अलग स्थानों पर बीती रात हुए भूस्खलन में एक ही परिवार के 7 लोगों सहित अब तक कुल 11 लोगों की मौत हो गई।राहत व बचाव कार्य के दौरान इन सभी लोगों के शव मलबे से निकाले गए हैं। सुरक्षाबलों की तरफ से कुछ और लापता लोगों की तलाश की जा रही है।

पोखरा महानगरपालिका के पुरनचौर में एक घर के भूस्खलन की चपेट में आने से उसमें रह रहे सभी सात सदस्यों की मौत हो गई। बचाव तथा राहत कार्य में जुटे सुरक्षाबलों ने मलबे से इन सभी सातों लोगों के शव निकाले। पोखरा पुलिस प्रवक्ता वसन्त शर्मा ने बताया कि भूस्खलन के कारण जहां दुर्घटना हुई है उन सभी स्थानों पर राहत और बचाव कार्य लगातार जारी है। मलबे से अब तक 11 शव निकाले जा चुके हैं।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पोखरा के पुरनचौक में एक ही परिवार के सात लोग, पोखरा के ही मादी में आए भूस्खलन की चपेट में एक ही परिवार के तीन लोग और पोखरा के चैनपुर में एक ही परिवार के दो लोगों के शव निकाले जा चुके हैं। मरने वालों में अधिकतर महिलाएं एवं बच्चे हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने हरियाणा सरकार से पूछा–

शंभू बॉर्डर खोलने के हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती क्यों दी?

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शंभू बॉर्डर को खोलने के पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के आदेश पर बड़ी टिप्पणी की है। सुप्रीम कोर्ट ने हरियाणा सरकार से पूछा कि राज्य सरकार हाइवे के यातायात को कैसे रोक सकती है। राज्य सरकार का काम है कि वह यातायात को नियंत्रित करे। हम कह रहे हैं कि बॉर्डर को खुला रखें, लेकिन उसको नियंत्रित भी करें। आखिर राज्य सरकार हाई कोर्ट के बॉर्डर को खोलने के आदेश को चुनौती क्यों देना चाहती है।

● **सुप्रीम कोर्ट 19 जुलाई को करेगा मामले की सुनवाई**

सुप्रीम कोर्ट ने ये टिप्पणी किसानों के विरोध-प्रदर्शन में शामिल 22 वर्षीय युवक की मौत की न्यायिक जांच के हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ हरियाणा सरकार की दाखिल याचिका पर सुनवाई के दौरान की। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा कि आखिर राज्य सरकार हाई कोर्ट के बॉर्डर को खोलने के आदेश को चुनौती क्यों देना चाहती है। आखिर किसान भी नागरिक हैं। उन्हें भोजन और अच्छी चिकित्सा सुविधा दें। वे आएंगे, नारे लगाएंगे और वापस चले जाएंगे। सुप्रीम कोर्ट इस मामले की सुनवाई 19 जुलाई को करेगा।

बिम्सटेक विदेश मंत्रियों ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की

क्षेत्रीय सहयोग और मजबूत करने पर हुई चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। बिम्सटेक सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों ने शुक्रवार को यहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से संयुक्त रूप से मुलाकात की। प्रधानमंत्री ने कनेक्टिविटी, ऊर्जा, व्यापार, स्वास्थ्य, कृषि, विज्ञान, सुरक्षा और लोगों के बीच आदान-प्रदान सहित विविध क्षेत्रों में क्षेत्रीय सहयोग को और मजबूत करने पर मंत्रियों के समूह के साथ उपयोगी चर्चा की। उन्होंने आर्थिक और सामाजिक विकास के इंजन के रूप में बिम्सटेक की भूमिका पर जोर दिया।

उन्होंने शांतिपूर्ण, समृद्ध, लचीले और सुरक्षित बिम्सटेक क्षेत्र के प्रति भारत की प्रतिबद्धता की

पुष्टि की और भारत की पड़ोसी प्रथम तथा पूर्व की ओर देखो नीतियों के साथ-साथ क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास के लिए सागर विजन में इसके महत्व पर प्रकाश डाला।

प्रधानमंत्री ने सितम्बर में होने वाले आगामी बिम्सटेक शिखर सम्मेलन के लिए थाईलैंड को भारत का पूर्ण समर्थन व्यक्त किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि बिम्सटेक विदेश मंत्रियों से मिलकर खुशी हुई। कनेक्टिविटी, ऊर्जा, व्यापार, स्वास्थ्य, कृषि, विज्ञान, सुरक्षा और लोगों के बीच आदान-प्रदान सहित क्षेत्रीय सहयोग को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। सफल शिखर सम्मेलन के लिए थाईलैंड को पूर्ण समर्थन दिया।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को नई दिल्ली में द्वितीय बिम्सटेक विदेश मंत्रियों की रिट्रीट के लिए अपने समकक्षों की मेजबानी की।

उल्लेखनीय है कि बंगाल की खाड़ी बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग पहल (बिम्सटेक) के सदस्य देशों में बांग्लादेश, भारत, श्रीलंका, म्यांमार, थाईलैंड, नेपाल और भूटान शामिल हैं। बिम्सटेक एक क्षेत्रीय संगठन है जो बंगाल की खाड़ी के आसपास के देशों को जोड़ता है ताकि आर्थिक विकास, व्यापार और परिवहन, ऊर्जा और आतंकवाद-निरोध जैसे क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा दिया जा सके।

दिल्ली विश्वविद्यालय में मनुस्मृति पढ़ाने का प्रस्ताव खारिज

पाठ्यक्रम में किसी भी विवादित हिस्से को शामिल नहीं किया जाएगा : धर्मेंद्र प्रधान

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के विधि संकाय के एलएलबी पाठ्यक्रम में प्राचीन ग्रंथ मनुस्मृति को शामिल करने को लेकर उठे विवाद पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने पाठ्यक्रम में किसी भी विवादित हिस्से को शामिल नहीं करने का आश्वासन दिया है।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि कल हमारे पास मनुस्मृति को विधि संकाय पाठ्यक्रम (डीयू) में शामिल करने की कुछ सूचना आई थी। मैंने दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति से इस संबंध में बातचीत की। उन्होंने मुझे आश्वासन दिया कि विधि संकाय के कुछ सदस्यों ने न्यायशास्त्र अध्याय में कुछ बदलाव प्रस्तावित किए हैं लेकिन जब यह

प्रस्ताव दिल्ली विश्वविद्यालय के पास आया तो उन्होंने इसे खारिज कर दिया।

उन्होंने कहा कि डीयू में आज अकादमिक परिषद की बैठक है। अकादमिक परिषद के प्रामाणिक निकाय में ऐसे किसी प्रस्ताव का समर्थन नहीं है। कल ही कुलपति ने उस प्रस्ताव को खारिज कर दिया था।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने कहा कि हम सभी अपने संविधान और भविष्योन्मुखी दृष्टिकोण के प्रति प्रतिबद्ध हैं। सरकार संविधान की सच्ची भावना को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। किसी भी स्क्रिप्ट के किसी भी विवादित हिस्से को शामिल करने का कोई सवाल ही नहीं है।

उल्लेखनीय है कि दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर योगेश सिंह ने गुरुवार को डीयू के लॉ फैकल्टी के उस प्रस्ताव को रिजेक्ट कर दिया है, जिसमें मनुस्मृति को पढ़ाए जाने की बात कही गई थी। लॉ फैकल्टी ने फर्स्ट और थर्ड इयर के छात्रों को 'मनुस्मृति' पढ़ाने के लिए सिलेबस में संशोधन करने के लिए डीयू से मंजूरी मांगी थी। इसमें मनुस्मृति पर दो पाठ - जी एन झा की मेधातिथि के मनुभाष्य के साथ मनुस्मृति और टी कृष्णस्वामी अय्यर द्वारा मनुस्मृति की टिप्पणी -स्मृतिचंद्रिका- को शामिल करने का प्रस्ताव रखा था। शिक्षकों के एक वर्ग ने इस प्रस्ताव को महिला विरोधी बताते हुए दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति को पत्र लिखा। इसमें कहा गया कि लॉ कोर्सेस में मनुस्मृति पढ़ाने की सिफारिश बेहद आपत्तिजनक है। यह भारत में महिलाओं और पिछड़े वर्गों की शिक्षा और प्रगति के खिलाफ हैं। इसके किसी भी भाग को शामिल करना हमारे संविधान के सिद्धांतों के खिलाफ होगा।

मायावती ने किया फैसले का स्वागत

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने दिल्ली विश्वविद्यालय के विधि के छात्रों को मनुस्मृति पढ़ाये जाने के प्रस्ताव को खारिज किए जाने के फैसले का स्वागत किया है। मायावती ने एक्स पोस्ट में कहा कि भारतीय संविधान के मान-सम्मान व मर्यादा तथा इसके समतामूलक एवं कल्याणकारी उद्देश्यों के विरुद्ध जाकर दिल्ली विश्वविद्यालय के विधि विभाग में मनुस्मृति पढ़ाए जाने के प्रस्ताव का तीव्र विरोध स्वाभाविक है। इस प्रस्ताव को रद्द किए जाने का फैसला स्वागत योग्य है। डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने खासकर उपेक्षितों व महिलाओं के आत्मसम्मान व स्वाभिमान के साथ ही मानवतावाद एवं धर्मनिरपेक्षता को मूल में रखकर भारतीय संविधान की संरचना की, जो मनुस्मृति से कतई मेल नहीं खाता है। अतः ऐसा कोई प्रयास कतई उचित नहीं।

हार-जीत होती है, स्मृति ईरानी का अपमान न करें : राहुल गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आज अपील की कि हारने पर स्मृति ईरानी या किसी अन्य नेता के प्रति अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करने और बुरा व्यवहार करने से बचें। राहुल गांधी ने आज एक्स पर कहा कि जीवन में हार-जीत लगी रहती है। इसके लिए लोगों को नीचा दिखाना और उनका अपमान करना कमजोरी की निशानी है, ताकत की नहीं। उल्लेखनीय है कि स्मृति ईरानी ने 2019 में राहुल गांधी को अमेठी से हराया था। इस बार राहुल की पार्टी कांग्रेस के नेता किशोरी लाल शर्मा ने उन्हें अमेठी से हराया है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट | जज शिवशंकर प्रसाद ने कायम की ऐतिहासिक मिसाल

एक साथ तीन भाषाओं में सुनाया फैसला

एजेंसी

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पहली बार अंग्रेजी, हिंदी व संस्कृत तीन भाषाओं में एक साथ फैसला सुनाते हुए ऐतिहासिक पहल की है। कोर्ट ने कहा है कि यदि परिवार अदालत ने धारा 125 सी आर पी सी के तहत अंतरिम गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया है तो उस पर अमल कराने के लिए धारा 482 की अर्जी पोषणीय नहीं है। याची को धारा 128 में आदेश का अनुपालन कराने का उपचार प्राप्त है। वह हाईकोर्ट में आने के बजाय परिवार अदालत में ही धारा 128 की अर्जी दाखिल कर सकती है। यह आदेश न्यायमूर्ति शिवशंकर प्रसाद ने श्रीमती कंचन रावत की याचिका को खारिज करते हुए दिया है।

● **धारा 125 के तहत अंतरिम गुजारा भत्ता लागू करने को दाखिल धारा 482 की याचिका पोषणीय न मानते हुए किया खारिज**

याची की शादी 1 दिसम्बर 2009 को विपक्षी बैजलाल रावत के साथ हुई। शादी में परिवार ने 7-8 लाख रुपये खर्च किए। किंतु दहेज को लेकर याची को ससुराल में प्रताड़ित किया जाता रहा। एक दिन मजबूर होकर उसे घर छोड़कर मायके आना पड़ा। जहां उसे 26 नवम्बर 11 को एक बच्चा गौरव पैदा हुआ। उसने पति से गुजारा भत्ता मांगा। नहीं देने पर परिवार अदालत गाजीपुर में केस दर्ज किया।

परिवार अदालत ने धारा 125 में अंतरिम गुजारा भत्ता चार हजार रुपए प्रतिमाह देने का पति को आदेश दिया। जिसका भुगतान किया गया। किंतु बकाया 80 हजार रूपए का भुगतान नहीं किया गया। तो अदालत ने दस हजार रुपए प्रतिमाह बकाया जमा करने का आदेश दिया। जिसका पालन न करने पर भुगतान करने का आदेश जारी करने की मांग में हाईकोर्ट में धारा 482 के तहत याचिका दायर की थी।

विपक्षी द्वारा याचिका की पोषणीयता पर आपत्ति की गई। कहा याची को धारा 128 में राहत पाने का अधिकार है। याचिका खारिज की जाय। कोर्ट ने फैसला सुनाया और एक साथ तीन भाषाओं में फैसला सुनाकर मिसाल कायम की है।

अमेरिकी एनएसए जेक सुलिवन ने कहा–

भारत को दीर्घकालिक, भरोसेमंद साझेदार के रूप में रूस पर दांव लगाना ठीक नहीं

एजेंसी

वाशिंगटन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया रूस की यात्रा के बाद दोनों के संबंधों को लेकर अमेरिका के शीर्ष अधिकारी ने गुरुवार को भारत को आगाह किया कि 'एक दीर्घकालिक, भरोसेमंद साझेदार के रूप में रूस पर दांव लगाना ठीक नहीं है।'

उन्होंने दावा किया कि भारत और चीन के बीच संघर्ष की स्थिति में रूस, नई दिल्ली के बजाय बीजिंग का पक्ष लेगा। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) जेक सुलिवन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हाल की मास्को यात्रा के बारे

● **रूस, भारत के बजाय चीन का पक्ष लेगा**

में पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए यह टिप्पणी की। मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ व्यापक वार्ता की थी।

सुलिवन ने कहा, हमने भारत समेत दुनिया के हर देश को यह स्पष्ट कर दिया है कि दीर्घकालिक, भरोसेमंद साझेदार के रूप में रूस पर भरोसा करना अच्छा दांव नहीं है। सुलिवन पिछले महीने भारत के अपने समकक्ष अजीत डोभाल के साथ बैठक के लिए भारत आए थे। शीर्ष अमेरिकी अधिकारी ने अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी से भी मुलाकात की थी।

सुलिवन ने कहा, 'रूस चीन के करीब होता जा रहा है। वास्तव में, यह चीन का साझेदार बनता जा रहा है। इस तरह, वे हमेशा भारत के बजाय चीन का पक्ष लेंगे।' हालांकि उन्होंने माना कि भारत जैसे देशों के रूस के साथ ऐतिहासिक संबंध हैं और यह स्थिति नाटकीय रूप से रातों-रात बदलने वाली नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी 22वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए दो दिन के लिए रूस में थे और यूक्रेन में जारी संघर्ष के बीच उनकी इस यात्रा पर पश्चिमी देशों की भी करीबी नजर रही है।

जीत सकता हूं पदक : अविनाश

साबले अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रहे है

एजेंसी

नई दिल्ली। हाल ही में डायमंड लीग पेरिस में 3000 मीटर स्टीपलचेज में आठ मिनट और 9.91 सेकंड का शानदार समय लेकर दसवीं बार राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ने वाले अविनाश साबले ने पेरिस में ओलंपिक पदक जीतने पर अपनी नजरें टिकाई हुई हैं।

साबले अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। वह अपने प्रशिक्षण कार्यक्रम पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं और पदक के साथ घर लौटने के अपने लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्ध हैं। साबले ने जियो सिनेमा के 'द ड्रीमर्स' में बताया, मैं पहले सोचता था कि ओलंपिक पदक विजेताओं का प्रशिक्षण के प्रति एक अनूठा और कठिन दृष्टिकोण होता है, लेकिन पिछले दो वर्षों के मेरे अनुभवों ने मेरा आत्मविश्वास बढ़ाया है। मैं सिर्फ. भाग लेना नहीं चाहता; मुझे विश्वास है कि मैं पदक जीत सकता हूं। मैं उस लक्ष्य पर नजर रखते हुए कड़ी मेहनत कर रहा हूं। अगर सब कुछ ठीक रहा और मैंने पदक जीता, तो यह हमारे देश को समर्पित होगा। अपने शुरूआती दिनों को याद करते हुए, 2022 एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता ने अपनी प्रेरणा का श्रेय दिग्गज भारतीय एथलीट मिल्खा सिंह, श्रीराम सिंह और पीटी उषा को दिया।

पेरिस तीरंदाजी: द. कोरिया को भारत से मिलेगी चुनौती

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिण कोरिया ने दशकों से ओलंपिक इतिहास में तीरंदाजी पर अपना दबदबा कायम रखा है, खास तौर पर महिला टीम स्पधाओं में। हालांकि, आगामी पेरिस ओलंपिक में तीरंदाजी की इस महाशक्ति को बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा।

1988 के सियोल ओलंपिक के बाद से, दक्षिण कोरिया ने महिला टीम तीरंदाजी में लगातार नौ स्वर्ण पदक हासिल किए हैं और 1984 के बाद से महिलाओं के व्यक्तिगत ओलंपिक खिताबों में से अधिकांश पर कब्जा किया है, सिवाय 2008 के बीजिंग ओलंपिक के, जिसमें चीनी तीरंदाज झांग जुआनजुआन ने जीत हासिल की थी। इस साल दक्षिण कोरिया के लिए इस दबदबे को बनाए रखना आसान नहीं होगा।

पुरुषों की लाइनअप में किम वूजिन, किम जे देओक और ली वूसोक शामिल हैं, जबकि महिलाओं की स्पधाओं में लिम सिह्योन, जियोन हुनयंग और नाम सुह्योन प्रतिस्पर्धा करेंगी। गौरतलब है कि टोक्यो ओलंपिक में तीन स्वर्ण पदक जीतने वाली एन सैन पेरिस ओलंपिक रोस्टर में नहीं हैं।

भारत, और चीन जैसे देश दक्षिण कोरिया के वर्चस्व को चुनौती देने के लिए कमर कस रहे हैं। महिला तीरंदाजी में दीपिका कुमारी भारत का नेतृत्व कर रही हैं, जो चौथी बार इस बहु-खेल महाकुंभ में भाग लेंगी। दीपिका पिछले एक दशक से भारतीय तीरंदाजी में एक प्रमुख ताकत रही हैं।

एक नजर

गृह जनपद लौटी स्वाति सिंह, हुआ स्वागत

जालौन। युगांडा से कांस्य पदक जीतकर लौटीं स्वाति का स्वागत किया। जालौन के अमीटा निवासी स्वाति सिंह ने युगांडा में आयोजित अंतरराष्ट्रीय पैरा बैडमिंटन ओपन चैंपियनशिप प्रतियोगिता में दो कांस्य पदक जीतकर शहर लौटीं तो शुक्रवार सुबह रेलवे स्टेशन पर समाजसेवियों व रेलवे कर्मचारियों ने उनका भव्य स्वागत किया। साउथ अफ्रीका के युगांडा शहर में आयोजित एक से सात जुलाई को हुई अंतरराष्ट्रीय पैरा बैडमिंटन ओपन चैंपियनशिप प्रतियोगिता में डॉ शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों ने तीन स्वर्ण और दो कांस्य पदक जीतकर मान बढ़ाया है। इसमें छात्रा रुचि त्रिवेदी ने तीन स्वर्ण एवं जालौन निवासी स्वाति ने दो कांस्य पदक प्राप्त किए। इन खिलाड़ियों ने भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए कांस्य पदक अर्जित किया। स्वाति सिंह शुक्रवार को वापस आईं। पिछले माह जब स्वाति को युगांडा दौरे पर जाने के लिए आर्थिक स्थिति ठीक न होने पर जालौन डीएम से मदद की गुहार लगाई थी, जिसमें डीएम और एसपी जालौन ने खेल किट देकर मदद की थी। इसके बाद रमाकांत दोहरे वरिष्ठ समाजसेवी की एक छोटी सी मुहिम से समाज के लोगों ने लगभग 70 हजार रुपये की आर्थिक मदद कर युगांडा के लिए भेजा था। जीतने के बाद जब स्वाति लौटीं तो रमाकांत दोहरे, दीपक जेई, रविंद्र चौधरी, शैलेंद्र प्रताप, प्रदीप महतवानी, रविंद्र गौतम, अजय गौतम योगा महाराज, विनोद कुमार गौतम, रेलवे कर्मचारी सहित दर्जनों लोगों ने स्वागत किया।

मेजर लीग क्रिकेट: वॉशिंगटन फ्रीडम ने रोमांचक मैच में सिएटल ऑर्कस को 5 विकेट से हराया

डलास। लॉकी फर्ग्यूसन और सौरभ नेत्रवलकर की बेहतरीन तेज गेंदबाजी को बदौलत वाशिंगटन फ्रीडम ने गुरुवार को डलास के ग्रैंड प्रेयरी स्टेडियम में 2024 कॉग्निजेंट मेजर लीग क्रिकेट के एक तनावपूर्ण कम स्कोर वाले मैच में सिएटल ऑर्कस को पांच विकेट से हरा दिया। लॉकी फर्ग्यूसन (4/26) और सौरभ नेत्रवलकर (3/18) ने आपस में सात विकेट लेकर सिएटल ऑर्कस को 19.4 ओवर में 124 रन पर समेट दिया। इसके बाद लाहिरू मिलंथा (30 गेंद, 33) और ओबस पिएनार (30 गेंद, 31) ने 63 रनों की महत्वपूर्ण नाबाद साझेदारी की और वाशिंगटन फ्रीडम को 10 गेंद और 5 विकेट शेष रहते 125 रन के लक्ष्य को हासिल करने में मदद की। इस जीत के साथ, वाशिंगटन फ्रीडम तीन मैचों में 5 अंकों के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया, जो अब तक टूर्नामेंट में एकमात्र अपराजित टीम है। इस मैच में 125 रनों के छोटे लक्ष्य का पीछा करने उतरी वाशिंगटन फ्रीडम की शुरूआत खराब रही। इमाद वसीम ने पारी की दूसरी गेंद पर खतरनाक ट्रैविस हेड को शून्य पर आउट कर दिया, जिससे ओवर का अंत विकेट मेडन के साथ हुआ। इसके बाद स्टीव स्मिथ और रचिन रवींद्र ने जवाबी हमले के साथ फिर से वापसी की। उन्होंने तीसरे ओवर में 18 रन बनाए।

जिम्बाब्वे टेस्ट टीम में मदांडे, बेनेट और जॉनथन कैम्पबेल नये चेहरे

एजेंसी

नई दिल्ली। जिम्बाब्वे क्रिकेट (जेडसी) ने इस महीने के अंत में आयरलैंड के खिलाफ होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच के लिए शुक्रवार को 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। टीम में क्लाइव मदांडे, ब्रायन बेनेट और जॉनथन कैम्पबेल, जो भारत के खिलाफ चल रही टी20 सीरीज का हिस्सा हैं, नए चेहरे हैं। इनके अलावा जॉयलॉर्ड गम्बी भी टीम में हैं, जो अभी तक इस प्रारूप में नहीं खेले हैं। जिम्बाब्वे, जिसने अपना आखिरी टेस्ट मैच फरवरी 2023 में बुलावायो में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेला था, दोनों देशों के बीच पहले टेस्ट के लिए आयरलैंड की यात्रा करेगा, यह मैच 25 से 29 जुलाई तक बेलफास्ट में खेला जाएगा। जिम्बाब्वे टीम की अगुआई क्रेग एर्विन करेंगे। नए चेहरों में से बेनेट और कैंपबेल ने अब तक सिर्फ. टी20 मैच ही खेले हैं, जबकि मदांडे वनडे और टी20 दोनों में नजर आए हैं।

एर्विन, जिन्होंने पिछले कुछ सालों में 20 टेस्ट मैच खेले हैं, और विलियम्स, जिन्होंने 14 टेस्ट मैच खेले हैं, यात्रा करने वाले दल में सबसे अनुभवी टेस्ट खिलाड़ी हैं। दूसरी तरफ आयरलैंड ने मई 2018 में अपना पहला टेस्ट खेलने के बाद से सिर्फ. आठ टेस्ट खेले हैं। उन्होंने अपने पहले सात टेस्ट मैच हारने के बाद इस साल की शुरूआत में अबू धाबी में अफगानिस्तान को छह विकेट से हराकर अपनी पहली जीत हासिल की थी।

आयरलैंड से तीन वनडे और तीन टी20 मैचों के लिए ऑस्ट्रेलिया की मेजबानी करने की उम्मीद थी, और हालाँकि इस बारे में कोई जानकारी नहीं है कि वे अभी भी योजना का हिस्सा हैं या नहीं, क्रिकेट आयरलैंड के लिए फंड से जुड़े मुद्दों का मतलब इस गर्मी में घरेलू मुकाबलों की संख्या में कटौती करना है।

जब जिम्बाब्वे ने आखिरी बार टेस्ट क्रिकेट खेला था, तो उनकी टीम में गैरी बैलेंस थे, जो इंग्लैंड से जिम्बाब्वे में आने के बाद उनका विदाई मैच था। वे खिलाड़ी जो उस दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला का हिस्सा थे, लेकिन अब टीम में नहीं हैं, वे हैं चामू चिभाभा, इनोसेंट काइया, तनुनुरवा मकोनी, मिल्टन शुम्बा, तफादज्वा त्सिगा, ब्रैड इवांस, ब्रैंडन मावुता, कुदजई मौंजे और डोनाल्ड तिरिपानो।

आयरलैंड में टेस्ट के लिए जिम्बाब्वे टीम

क्रेग एर्विन (कप्तान), ब्रायन बेनेट, जॉनाथन कैंपबेल, तेंदई चतारा, तनाका चिवांगा, जॉयलॉर्ड गम्बी (विकेट कीपर), रॉय कैया, क्लाइव मदांडे (विकेट कीपर), वेलिंगटन मसाकाद्जा, प्रिंस मासवाउरे, ब्लेसिंग मुजरबानी , डायोन मायर्स, रिचर्ड नगारवा, विक्टर न्याउची, सीन विलियम्स।

15 दिसंबर से बीबीएल की शुरुआत

एजेंसी

मेलबर्न। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने शुक्रवार को बिग बैश लीग (बीबीएल) के 14वें संस्करण का कार्यक्रम जारी कर दिया है। पर्थ स्कॉर्चर्स की टीम 2024-25 सीजन के पहले मैच में ऑप्टस स्टेडियम में मेलबर्न स्टार्स का सामना करेगी। बीबीएल के नियमित सीजन के दौरान केवल क्रिसमस की पूर्व संध्या और क्रिसमस के दिन मैच नहीं खेले जाएँगे।सिडनी थंडर शुरूआती सप्ताह में दो खेलों की मेजबानी करेगा। थंडर की टीम 17 दिसंबर को कैनबरा में एडिलेड स्ट्राइकर्स से और फिर चार दिन बाद सिडनी सिक्सर्स का सामना करेगी। मौजूदा चैंपियन ब्रिसबेन हीट रविवार, 22 दिसंबर को एडिलेड स्ट्राइकर्स का सामना करेगी। स्ट्राइकर्स नए साल की पूर्व संध्या पर एडिलेड ओवल में स्कॉर्चर्स के खिलाफ खेलेगा, जबकि होबार्ट हरिकेंस बनाम सिडनी सिक्सर्स और ब्रिसबेन हीट बनाम मेलबर्न स्टार्स नए साल के दिन के मैच होंगे। गत विजेता हीट अपने अभियान की शुरूआत 18 दिसंबर को स्टार्स के खिलाफ एक बाहरी मैच से करेगी।

एमसीजी टेस्ट के पहले दिन बॉक्सिंग डे पर डबल हेडर होगा, जिसमें सिक्सर्स का सामना स्टार्स से होगा, उसके बाद स्कॉर्चर्स का सामना हीट से होगा और 3 जनवरी को एससीजी टेस्ट के पहले दिन के बाद एक और डबल हेडर होगा।

पिछले सीजन में सबसे बड़ा विवाद जिलॉन्ग में रेनेगेड्स और स्कॉर्चर्स के बीच खेला गया मैच था, जब नमी वाली पिच को खतरनाक माना गया था। लेकिन जीएमएचबीए स्टेडियम के प्रति

ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट खिलाड़ियों के बीबीएल में खेलने की उम्मीद

एजेंसी

नई दिल्ली। बिग बैश लीग (बीबीएल) अधिकारियों को उम्मीद है कि ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट खिलाड़ी जनवरी में नियमित सत्र के अंतिम चरण में खेल सकेंगे, हालांकि भारत के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला के बाद कार्यभार के आधार पर उनकी उपलब्धता पर असर पड़ेगा।

ऑस्ट्रेलिया को जनवरी के आखिर में दो टेस्ट मैचों के लिए श्रीलंका का दौरा करना है, इसलिए उस टीम में शामिल खिलाड़ी 21-27 जनवरी तक चलने वाले बीबीएल फाइनल के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। भारत के साथ सीरीज 7 जनवरी को सिडनी में समाप्त होगी, जिसमें बीबीएल के आखिरी दस दिनों के होम-एंड-अवे चरण में टेस्ट स्टार्स खेल सकते हैं, लेकिन ऐसा लगता नहीं है कि इसमें तेज गेंदबाज शामिल होंगे।

शुक्रवार को बीबीएल के मुकाबलों की पुष्टि की गई, जिसमें सीजन की शुरूआत 15 दिसंबर से होगी (ब्रिसबेन टेस्ट का दूसरा दिन) और फाइनल 27 जनवरी को खेला जाएगा, जो ऑस्ट्रेलिया दिवस के अगले दिन सार्वजनिक अवकाश है।

बीसीसीआई ने नहीं लिया फैसला, मोर्केल को गंभीर चाहते हैं बनें गेंदबाजी कोच

एजेंसी

नई दिल्ली। मोर्ने मोर्कल भारत के गेंदबाजी कोच बनने की दौड़ में हैं। दक्षिण अफ्रीका के इस पूर्व तेज गेंदबाज को कोचिंग का व्यापक अनुभव है और वह भारतीय टीम के नए नियुक्त मुख्य कोच गौतम गंभीर की सूची में हैं। मोर्कल पिछले साल भारत में हुए वनडे विश्व कप के दौरान पाकिस्तान टीम के कोच थे, लेकिन पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के साथ उनका अनुबंध समाप्त होने से कुछ महीने पहले उन्होंने पद छोड़ दिया था।

क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार, गंभीर ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) से गेंदबाजी कोच के पद के लिए मोर्कल के नाम पर विचार करने का अनुरोध किया है, जिन्होंने 2006 से 2018 के बीच 86 टेस्ट, 117 वनडे और 44 टी20 मैच खेले हैं। इस मामले को लेकर दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी के साथ कुछ चर्चाएं भी हुई हैं, जो अब ऑस्ट्रेलिया में बस गए हैं। गंभीर और मोर्कल दोनों के बीच आईपीएल में लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम में अच्छे कामकाजी संबंध रहे हैं, जहां गंभीर ने दो साल तक मेंटर के रूप में काम किया। गंभीर के कोलकाता नाइट राइडर्स में शामिल होने और हेड कोच एंडी फ्लावर के रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु में चले जाने के बाद मोर्कल नए हेड कोच जस्टिन लैंगर के तहत फ्रैंचाइजी के गेंदबाजी कोच के रूप में बने रहे।

गंभीर ने बीसीसीआई से गेंदबाजी कोच के पद के लिए मोर्कल के नाम पर विचार करने का अनुरोध किया है

जहीर खान पर विचार कर रही है बीसीसीआई

लक्ष्मीपति बालाजी और विनय कुमार सहित कई नाम गेंदबाजी कोच पद से जुड़े हैं। रिपोर्टों ने यह भी सुझाव दिया है कि बीसीसीआई इस भूमिका के लिए जहीर खान पर विचार कर रहा है। हालांकि अभी अंतिम निर्णय लिया जाना बाकी है, ऐसा लगता है कि बीसीसीआई जल्द ही किसी निष्कर्ष पर पहुंच सकता है। मोर्कल के युवा परिवार और भारत की नौकरी के लिए आवश्यक लंबी यात्रा के बारे में विचार किया जा रहा है। वह अपनी पत्नी रोज केली के साथ उत्तरी सिडनी के आलीशान सीफोर्थ उपनगर में रहते हैं, जो चैनल 9 पर एक खेल प्रस्तुतकर्ता हैं। दंपति के दो बच्चे हैं। मोर्कल को अगर नियुक्त किया जाता है, तो वह पारस म्हाम्ब्रे की जगह लेंगे, जिन्होंने पिछले तीन वर्षों से मुख्य कोच राहुल द्रविड़ के तहत इस भूमिका में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है।

खेल की तकनीकों से वाकिफ हैं मोर्ने मोर्कल

मोर्कल ने अंतरराष्ट्रीय और आईपीएल दोनों ही क्षेत्रों में एक प्रभावी कोच होने की मजबूत प्रतिष्ठा बनाई है। 39 साल की उम्र में और 2018 में ही रिटायर होने के बाद, मोर्कल खेल की नवीनतम तकनीकों से अच्छी तरह वाकिफ हैं और उनसे अपडेट रहते हैं। गंभीर, जिन्हें उन लोगों के साथ काम करने के लिए जाना जाता है जिनके साथ वे सहज हैं, माना जाता है कि वे मोर्कल को अपनी कोचिंग टीम में शामिल करने के इच्छुक हैं।

व्यापार

देश के पहले ट्रांसशिपमेंट विझिंजम पोर्ट में पहुंचा पहला कंटेनर जहाज

संवाददाता

अहमदाबाद। अदाणी पोर्ट्स एंड एसईजेड ने आज अपने विझिंजम पोर्ट पर पहले मदर शिप के आने की घोषणा की। यह एक ऐतिहासिक कार्यक्रम है जो वैश्विक ट्रांसशिपमेंट में भारत के समुद्री इतिहास में एक नए युग का प्रतीक है, जिसने विझिंजम को इंटरनेशनल ट्रेड रूट मैप में महत्वपूर्ण स्थान दिया है। इस कार्यक्रम का उद्घाटन केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने किया और केरल के पोर्ट मंत्री वी.एन.वासवन ने सभा की अध्यक्षता की। केंद्रीय पोर्ट, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सबानंद सोनोवाल मुख्य अतिथि थे।

विझिंजम पोर्ट अत्याधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर के साथ भारत के पहले स्वचालित पोर्ट की शुरूआत का भी प्रतीक है, जो अपने आधुनिक कंटेनर हैंडलिंग इक्विपमेंट और वर्ल्ड क्लास ऑटोमेशन समेत आईटी सिस्टम के साथ बड़े जहाजों को संभालने में सक्षम है। 8,000-9,000 टीईयू (बीस फुट समतुल्य इकाइयां) की क्षमता वाला मेर्स्क द्वारा संचालित 300 मीटर लंबा कंटेनर जहाज सैन फर्नांडो, लगभग 2,000 कंटेनरों को उतारने और 400 कंटेनर आवाजाही के लिए पोर्ट पर सेवाओं का लाभ उठाएगा। विझिंजम पोर्ट के महत्व पर एपीएसईजेड के मैनेजिंग डायरेक्टर करण अदाणी ने कहा, सैन फर्नांडो - अब हमारे बंदरगाह पर मौजूद है, यह भारतीय समुद्री इतिहास में एक नई, गौरवशाली उपलब्धि का प्रतीक है। यह एक संदेशवाहक है, जो दुनिया को बताएगा कि भारत के पहले ट्रांसशिपमेंट टर्मिनल और सबसे बड़े गहरे पानी के पोर्ट ने कमर्शियल ऑपरेशन शुरू कर दिया है। पोर्ट के अत्याधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, भारत में किसी भी दूसरे पोर्ट के पास ये टेक्नोलॉजी नहीं हैं। हमने यहां दक्षिण एशिया की सबसे एडवांस कंटेनर हैंडलिंग तकनीक का इस्तेमाल किया है। एक बार जब हम ऑटोमेशन और वैसल ट्रैफिक मैनेजमेंट को पूरा कर लेंगे तो विझिंजम दुनिया के सबसे एडवांस ट्रांसशिपमेंट पोर्ट में से एक होगा। वर्तमान में भारत का 25% कंटेनर ट्रैफि क इस समुद्री रास्ते से ट्रांसशिप किया जाता है। अब तक दुनिया के साथ भारत के बढ़ते व्यापार के बावजूद देश में एक समर्पित ट्रांसशिपमेंट पोर्ट नहीं था।

भारत-कतर जेडब्ल्यूजी ने व्यापार बैठक में सहयोग के संभावित क्षेत्रों की पहचान की

संवाददाता

नई दिल्ली। भारत और कतर संयुक्त कार्य समूह (जेडब्ल्यूजी) ने व्यापार को सुगम बनाने के लिए कतर के दोहा में 10 जुलाई को बैठक की। इस बैठक में भारत के वाणिज्य सहित अन्य मंत्रालयों एवं संगठनों के अधिकारियों ने भाग लिया, जिसमें रत्न एवं आभूषण, फार्मास्यूटिकल्स, एमएसएमई और खाद्य प्रसंस्करण जैसे संभावित क्षेत्रों की सहयोग के रूप में पहचान की गई।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में बताया कि दोहा में संयुक्त कार्य समूह की आयोजित बैठक की सह-अध्यक्षता भारत के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के वाणिज्य विभाग की आर्थिक सलाहकार प्रिया पी. नायर और कतर के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में अंतरराष्ट्रीय सहयोग एवं व्यापार समझौते के निदेशक सालेह अल-माना ने की। इस बैठक में दोनों पक्षों ने 2025 में नई दिल्ली में संयुक्त कार्य समूह की अगली बैठक आयोजित करने पर सहमति व्यक्त की।

मंत्रालय ने कहा कि वाणिज्य सहित अन्य मंत्रालयों एवं संगठनों के अधिकारियों वाले एक भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने 10 जुलाई को दोहा में कतर पक्ष के साथ जेडब्ल्यूजी की एक बैठक में दोनों पक्षों ने व्यापार को सुगम बनाने और माल पर सीमा शुल्क नियंत्रण के लिए आगमन-पूर्व सूचना के आदान-प्रदान में खाद्य सुरक्षा और सहयोग पर समझौता ज्ञापन (एमओयू) के लिए जारी चचाओं की प्रगति की समीक्षा के साथ उन्हें जल्द पूरा करने पर सहमति जताई।

मंत्रालय के मुताबिक दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय व्यापार में व्यवधान उत्पन्न करने वाले सभी मुद्दों का शीघ्र समाधान निकालने और दोनों देशों के बीच व्यापार संवर्धन को सुगम बनाने पर भी सहमति जताई। इसके साथ ही दोनों पक्षों ने व्यापार और निवेश सहयोग के लिए निजी क्षेत्र के दृष्टिकोण और प्रस्तावों का अनुसरण करने और उन्हें कार्यान्वित करने में अपनी निर्धारित भूमिका निभाने के लिए संयुक्त व्यापार परिषद को सक्रिय करने की संभावित व्यवस्था पर भी विचार-विर्मश किया।

इसके अलावा दोनों पक्षों ने इस बैठक में द्विपक्षीय व्यापार और आर्थिक सहयोग में हाल के घटनाक्रमों की विस्तृत समीक्षा करते हुए कहा कि इस संबंध को और आगे बढ़ाने की अपार संभावनाएं हैं। इस संबंध में दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय व्यापार के साथ-साथ पारस्परिक रूप से लाभकारी सहयोग के क्षेत्रों को बढ़ाने के लिए कई प्रमुख क्षेत्रों की पहचान की।

जियो फाइनेंशियल बनेगी कोर इन्वेस्टमेंट कंपनी

एजेंसी

नई दिल्ली। उद्योगपति मुकेश अंबानी की फाइनेंशियल सेक्टर की कंपनी जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड अब नॉन बैंकिंग फाइनेंस कंपनी (एनबीएफसी) से बदलकर कोर इन्वेस्टमेंट कंपनी (सीआईसी) बन जाएगी। इसके लिए कंपनी को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) से मंजूरी मिल गई है। जियो फाइनेंशियल सर्विसेज ने शुक्रवार को स्टॉक एक्सचेंज को दी जानकारी में बताया कि कंपनी को नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी से कोर इन्वेस्टमेंट कंपनी में परिवर्तित करने की मंजूरी रिजर्व बैंक से 11 जुलाई को मिल गई है। कंपनी ने नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल से कोर इन्वेस्टमेंट कंपनी में बदलने के लिए आरबीआई के पास आवेदन किया था। कंपनी ने 21 नवंबर, 2023 को इसकी जानकारी दोनों एक्सचेंजों को दी थी।

क्या होता है कोर इन्वेस्टमेंट कंपनी

कोर इन्वेस्टमेंट कंपनी (सीआईसी) एक स्पेशलाइज्ड एनबीएफसी है, जिसका एसेट साइज 100 करोड़ रुपये से अधिक होता है। आरबीआई की परिभाषा के अनुसार कोर इन्वेस्टमेंट कंपनी की एसेट की साइज 100 करोड़ रुपये से ज्यादा होनी चाहिए।

जो बजट में है वह निश्चित रूप से धरातल पर लागू होंगे, हम विकसित राजस्थान का संकल्प पूरा करेंगे : सीपी जोशी

भाजपा ने विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को शिकस्त दी, उप चुनाव में भी भाजपा की जीत होगी : सीपी जोशी

चमकता राजस्थान

जयपुर, 12 जुलाई। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने आज प्रदेश कार्यालय में बजट और कार्यसमिति की बैठक को लेकर प्रेसवार्ता की। इसके बाद उन्होंने प्रत्रकार बंधुओं द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब दिया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने सवालों का जवाब देते हुए कहा कि प्रदेश की जनता बजट की सराहना कर रही है। जनता को भरोसा है कि भाजपा जो कहती है वो करती है। आज भाजपा देश की सबसे बड़ी राजनैतिक पार्टी है और आत्मविश्वास से भरी हुई है, क्योंकि आम चुनाव के समय विपक्षी पार्टियों ने जनता को गुमराह कर जो भ्रम पैदा किया था वह अब निकल चुका है। राहुल गांधी को प्रश्न कहीं और से आते हैं वो तो एक मोहरा है। कांग्रेस के नेता जब सर्जिकल स्ट्राइक होती है तो पाकिस्तान से कहते हैं कि पीएम मोदी को हटाने के लिए आप मदद करिए। जिन लोगों को देश की जनता पर विश्वास नहीं और दुश्मन राष्ट्र के ऊपर विश्वास है तो देश की जनता उनको कभी बर्दाश्त नहीं कर सकती है

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि भाजपा और

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति जनता का विश्वास है। इसलिए लगातार तीसरी बार देश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनी है। प्रदेश के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने कांग्रेस को शिकस्त दी थी, आने वाले उप चुनाव में भी निश्चित रूप से भाजपा की ही जीत होगी।

जनता का विश्वास भाजपा जो कहती है वो करती है, संकल्प पत्र के 45 प्रतिशत से अधिक वादों को पूरा किया : सीपी जोशी

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार ने संकल्प पत्र के 45 प्रतिशत से अधिक वादों को पूरा किया। उन्होंने प्रदेश में पूर्व की कांग्रेस सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि पांच सालों में कांग्रेस ने राजस्थान को बीमारू राज्यों की श्रेणी में लाकर खड़ा कर दिया। जिन दावों और वादों के दम पर सत्ता में आए उन्हें भूल गए और जनता की परवाह नहीं की। कोरोना काल के समय में भी होटलों में आराम किया। अंतिम छ माह में काम करने का दिखावा करते हुए पांच सौ रूपये में गैस सिलेण्डर देने का निर्णय लिया जिसके लिए भी कैम्प लगाकर माताओं बहनों को लाईन में खड़ा किया। इसके विपरीत भाजपा की सरकार ने सत्ता में आते ही पहले तीस दिनों में कहा कि हम साढे चार सौ रूपये में सिलेण्डर देंगे और आदेश भी जारी कर दिए। कांग्रेस ने किसानों का कर्ज माफ करने का वादा किया था लेकिन कर्जा माफ नहीं होने के कारण किसानों ने आत्म हत्या की। भाजपा ने संकल्प पत्र में घोषणा की थी कि मोदी सरकार किसान सम्मान निधि के 6 हजार रूपये दे रही है तो राजस्थान की भाजपा सरकार भी 6 हजार रूपये देगी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने टोंक की धरती से किसानो के खाते में 2000 रूपये डालने शुरू किए। झुंझुनूं की धरती से पेंशन बढ़ाने का निर्णय लिया। कांग्रेस की सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर टैक्स कम नहीं कर जनता की जेब काटती रही वहीं भाजपा की सरकार ने 6-7 रूपये कम कर जनता को राहत देने का काम किया। कांग्रेस की सरकार ने प्रदेश को बिजली सहित अन्य क्षेत्रों में पीछे धकेलने का काम किया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में यह बजट विकसित राजस्थान की आधारशीला वाला बजट है। जो बजट में है वह निश्चित रूप से धरातल पर लागू होंगे। हम विकसित राजस्थान का संकल्प पूरा करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

सीताराम गुप्ता के नेतृत्व में एएनएम प्रशिक्षण केंद्र में किया गया वृक्षारोपण

- वृक्षों की महत्ता पर भी डाला प्रकाश

चमकता राजस्थान। कुम्हेर (राजवीर सिंह) समृद्ध भारत अभियान के निदेशक सीताराम गुप्ता के नेतृत्व में कुम्हेर कस्बे के एएनएम प्रशिक्षण केंद्र में वृक्षारोपण किया गया

प्रशिक्षण केंद्र परिसर में कदंब, शहतूत ,पीपल नीम आदि की करीब 50 पौधे लगाए गए जिनकी सुरक्षा व पानी डालने की जिम्मेदारी प्रशिक्षण प्राप्त कर रही महिलाओं ने ली

वृक्षारोपण के अवसर पर सीताराम गुप्ता ने वृक्षों की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वृक्ष हमें फल फूल देने के अलावा जीवन दाहिनी आक्सीजन प्रदान करते हैं

उन्होंने कहा गत वर्षों मे पेड़ों की अधाधुंध कटाई एवं नए पेड़ नहीं लगाने के कारण पर्यावरण निरंतर प्रदूषित हो रहा है जिसके कारण अनेक आपदाएं आती हैं ऐसी स्थिति में पर्यावरण को संतुलित रखने के लिए हमें आधिकाधिक वृक्षारोपण करना होगा , वृक्षारोपण के बाद उनके रखरखाव की जिम्मेदारी लेनी होगी उन्होंने प्रशिक्षण केंद्र के लिए संस्था की ओर से दो कूलर भी देने की घोषणा की

प्रशिक्षण केंद्र के नवनियुक्त अधीक्षक कृष्ण गोपाल स्वामी ने समृद्ध भारत अभियान संस्था का आभार व्यक्त किया

वृक्षारोपण के अवसर पर सीडीपीओ महेंद्र अवस्थी सामाजिक कार्यकर्ता बंटी कटारा बीएससी नर्सिंग कॉलेज के प्राचार्य रामेश्वर दयाल पाठक एवं अनेक प्रशिक्षणार्थी मौजूद रहीं

जिला प्रभारी सचिव दो दिवसीय दौरे पर धौलपुर आएंगे

चमकता राजस्थान। धौलपुर रामदास तरुण धौलपुर, 12 जुलाई को जिला प्रभारी सचिव आईएएस रोहित गुप्ता आयुक्त वाणिज्य एवं उद्योग विभाग दो दिवसीय दौरे पर 13 जुलाई शनिवार को धौलपुर आएंगे। जिला प्रभारी सचिव की अध्यक्षता में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में प्रस्तावित है। अतिरिक्त जिला कलक्टर ब्रह्मलाल जाट ने बताया कि मुख्यमंत्री द्वारा बजट 2024-25 से संबंधित राज्य स्तरीय बैठक में जिला प्रभारी सचिवों को अपने प्रभार जिलों में पहुंचकर बजट घोषणाओं के त्वरित एवं समयबद्ध क्रियान्वयन के निर्देश प्रदान किए गए हैं।

इसी क्रम में 13 व 14 जुलाई को प्रभावी सचिव धौलपुर आएंगे। वे यहां बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन के संबंध में समीक्षा करेंगे। बजट घोषणाओं का तेज गति से क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रभारी सचिव द्वारा संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक भी आयोजित की जाएगी।

संत बालक दास महाराज के सानिध्य में होंगे कार्यक्रम

मानव सेवी व वन्य जीव प्रेमी थे सिद्ध पुरुष रंगी भगत महाराज

गुरुमाया आश्रम पर 21 को संत सम्मेलन और भंडारा

चमकता राजस्थान

हलैना (राजवीर सिंह) गुरुमाया भक्त मंडल एव सिद्ध पुरुष रंगी भगत महाराज के शिष्यों के द्वारा वैर उपखंड के गांव टुंडपुरा गुरुमाया आश्रम पर विश्व विख्यात सन्त बालक दास महाराज के सानिध्य में रंगी भगत महाराज के द्वारा साल 1960 में प्रारंभ की संत सम्मेलन , विशाल भंडारा व सन्त सेवा कार्यक्रम को जारी रखते हुए 21 जुलाई 2024 को 75 वा गुरु पुर्णिमा महोत्सव मनाया जाएगा। जिस कार्यक्रम के तहत अनेक धार्मिक कार्यक्रम एव राष्ट्रीय स्तर का संत सम्मेलन तथा विशाल भंडारा एव पद गायन का आयोजन होगा। संत बालक दास महाराज ने बताया कि टुंडपुरा की धरती पर जन्म लेने वाले रंगी जी भगत महाराज में साल 1960 में गुरु माया आश्रम की स्थापना कर वेद यज्ञ एवं अखंड ज्योत जगाई। साथ ही संत, मानव

सेवा, गौवंश सेवा और मुक बधिर प्राणियों की सेवा प्रारंभ की। साल 1960 से प्रतिदिन आश्रम पर यज्ञ , कीर्तन सहित महा आरती का आयोजन किया जाता है। साथ ही सन्त एव लोगों को भोजन, जलपान आदि की व्यवस्था 24 घंटे और हर वक्त उपलब्ध रहती है।उन्होंने बताया कि सिद्ध पुरुष रंगीभगत महाराज के द्वारा गांव टुंडपुरा के अलावा गोवर्धन की परिक्रमा स्थित पुछरी लौठा के पास राजस्थान व उत्तर प्रदेश सीमा पर गुरु माया आश्रम संचालित किया गया।जहा पर भी संत,मानव वं मुख बधिर प्राणियों सहित गौवंश सेवा कार्यक्रम हर वक्त जारी रहते हैं। उन्होंने बताया कि टुंडपुरा के रंगी भगत आश्रम गुरुमाया के भक्त मंडल के सदस्यो के द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 21 जुलाई को आश्रम परिसर में गुरु पूर्णिमा का उत्सव और बड़े श्रद्धा ,उमंग सहित मनाया जायेगा

इस दिन आश्रम पर 21जुलाई को विशाल भंडारा और पद दंगल का आयोजन होगा।उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के तहत पद गायन और संत सम्मेलन,प्रवचन,कीर्तन आदि का भी आयोजन होगा। पद गायन में गांव पीपरी के पद गायिकी के अलावा स्थानीय भक्त मंडल आदि भजन गायिकी के लोग भाग लेंगे। गुरुमाया मंडल के सदस्य एव संत ने बताया कि इस कार्यक्रम की अध्यक्षता निठार गांव के दिल्ली सेवानिवृत डीजीपी मुकेश कुमार मीणा करेंगे । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेडम होगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में महवा विधायक राजेंद्र मीणा,नदवई विधायक जगत सिंह पूर्व जिला प्रमुख राजवीर सिंह, वैर विधायक बहादुर सिंह कोली रहेंगे। जबकि पूर्व जिला परिषद सदस्य जगदीश मीणा बौराज व केदार बारा रहेंगे। संत बालक दास महाराज ने बताया कि संत सम्मेलन में मथुरा,गोवर्धन,बनारस भरतपुर सहित राजस्थान, दिल्ली पंजाब ,हरियाणा,गुजरात ,मध्य प्रदेश ,महाराष्ट्र आदि प्रांत के संत भाग लेंगे।

1960 की रेलवे हड़ताल के शहीदों को याद किया एवं पुरानी पेंशन स्कीम की बहाली की मांग की

चमकता राजस्थान/जयपुर। नॉर्थ वेस्टर्न रेलवे एंप्लॉयज यूनियन, प्रधान कार्यालय जी एल ओ शाखा ने 1960 की रेल हड़ताल में शहीद हुए ए आई आर एफ के 5 जाबांज सिपाहियों को आज 12 जुलाई को उत्तर पश्चिम रेलवे प्रधान कार्यालय जयपुर में 2 मिनट का मौन रखकर याद किया। आल इंडिया रेलवेमेंस फेडरेशन के आव्हान पर ओपीएस लागू करने के लिए देशभर में हो रहे प्रदर्शन की कड़ी में प्रधान कार्यालय में प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन मे महामंत्री मुकेश माथुर ने 1960 की हड़ताल के शहीदों के बारे मे बताया। उन्होने हाल ही मे हुई केडर रिस्ट्रक्चरिंग कमेटी, रेलवे मंत्रालय और प्रशासन के रवैये, आने वाले आम बजट मे रखी गई मांगों के बारे मे विस्तार से बताया। उन्होने कर्मचारियों के हितों के विरुद्ध कार्य करने वाले अधिकारियों की कड़ी निंदा की। उन्होने आव्हान किया कि यदि 8वें वेतन आयोग का शीघ्र गठन नहीं किया तो ए आई आर एफ/एन डब्लू आर ई यू इसके लिए तब तक आंदोलन चलाएगी जब तक 8वें वेतन आयोग का गठन नहीं हो जाएगा। उन्होने ट्रेड यूनियन के आंदोलन में सभी को संगठित रहने का आव्हान किया। शाखा सचिव राजीव सारण ने प्रधान कार्यालय मे कर्मचारियों के हितों के विरुद्ध कार्य कर रहे अधिकारियों को चेताया कि वे अपने व्यक्तिगत इगो को दूर रख कर कर्मचारियों के लिए कार्य करें अन्यथा यूनियन शीघ्र आंदोलन करेगी। सहायक महामंत्री मीना सक्सेना ने सभी को बड़ी संख्या मे एकत्रित होकर प्रदर्शन को सफल बनाने के लिए धन्यवाद दिया। प्रदर्शन में अशोक अग्रवाल, नारायण सिंह, सुनील माथुर, इन्द्रपाल सिंह, प्रेम नारायण, उत्तम बाथरा, पवन जुनेजा, योगेश शर्मा, गजानंद कुमावत,चेतन वर्मा, सोनल माथुर, चाँदनी सिंघल, पारुल माथुर, आरती अग्रवाल, जमना कंवर, महेश बोहरा, फूलचंद, शंकर यादव, शिवम गुप्ता, धर्मेश बैरवा, छोटू लाल गुर्जर, शिव कुमार, राज कुमार, मुकेश, विशाल पारवानी सहित प्रधान कार्यालय के कर्मचारी बड़ी तादात मे उपस्थित रहे।

खिताबी मुक़ाबले रविवार को बांग्लादेश से

आईएचएफ़ ट्रॉफी हैंडबॉल में भारत दोनों वर्गों के फ़ाइनल में

दोनों वर्गों के हार्डलाइन में मालदीव व नेपाल में होगा आज मुक़ाबला

चमकता राजस्थान

जयपुर, 12 जुलाई। मेजबान भारत ने सवाई मान सिंह इंडोर स्टेडियम में खेली जा रही आईएचएफ ट्रॉफी हैंडबॉल में अपनी श्रेष्ठता सिद्ध करते हुए अंडर-18 यूथ और अंडर-20 जूनियर वर्ग के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। जहां दोनों ही वर्गों के खिताबी मुक़ाबले में बांग्लादेश से रविवार को भिड़ंत होगी।

यूथ व जूनियर वर्ग में भारत ने सभी 3-3 मैच जीतकर 6 अंको के साथ टॉप पर रही। भारत ने यूथ में जहा बाग्लादेश, मालदीव व नेपाल को हराया, वही जूनियर वर्ग में भी अपनी विजयी लय कायम रखी और सभी तीनों मैच जीतकर तालिका में शीर्ष पर ही। इसी प्रकार बाग्लादेश तालिका में दोनो वर्गो में दूसरे नम्बर पर रही। यूथ में उसने 4 और जूनियर वर्ग में उसके 3 अंक है। मालदीव ने यूथ व जूनियर में 2-1 अंक अर्जित कर तीसरे स्थान पर रही। जबकि नेपाल दोनो वर्गो की तालिका में पेदें पर रही। जूनियर वर्ग में ही नेपाल 1 अंक अर्जित कर पाई।

- **शनिवार को यूथ व जूनियर वर्ग के हार्डलाइन मैच खेले जायेगे। इसमें मालदीव व नेपाल में मुकाबला होगा।**

शुक्रवार को अंडर-18 यूथ वर्ग में भारत ने एक बार फिर अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए नेपाल को 48-18 गोलो से रोंद दिया। मध्यांतर तक भारत 21-8 गोलो से आगे था। भारत के लिए मोस्ट वैल्युएबल प्लेयर कप्तान रवि ने सर्वाधिक 15 गोल बनाये। प्रवीण गिल और रोहित ने 10-10 गोल किये। नेपाल के लिए सोनिश तमांग व रितिक परीयार ने 5-5 गोल किये। दक्षिण एशियाई हैंडबॉल महासंघ के महासचिव डॉ. आनन्देश्वर पांडे ने रवि को सम्मानित किया। इस अवसर पर हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के महासचिव डॉ. तेजराज सिंह भी उपस्थित थे।

- **अंडर-18 यूथ वर्ग:- बाग्लादेश ने मालदीव को हराया**

बाग्लादेश ने शुक्रवार को हुए मुकाबले में मालदीव को आसानी से 47-28 गोलो से हराया। विजेता टीम मध्यांतर तक 20-10 गोलो की बढ़त हासिल की। बांग्लादेश के लिए मोस्ट वैल्युएबल प्लेयर मोहम्मद रातुलुदीन ने 13 गोल किये, तोफिक कुर रहमान ने 12 का योगदान दिया। पूर्व राष्ट्रीय स्तर के क्रिकेटर रहे कुलदीप मिश्रा ने रातुलुदीन को पुरस्कृत किया।

शनिवार को खेले जाने वाले हार्डलाइन मैच:-

शाम 4 बजे
मालदीव बनाम नेपाल
(यूथ)

शाम 6 बजे
मालदीव बनाम नेपाल
(जूनियर)

- **अंडर-20 जूनियर वर्ग:- बाग्लादेश ने मालदीव को 38-30 से हराया।**

मोहम्मद आशिकुर रहमान फहीम ने हालाकि कोई गोल नहीं किया। लेकिन उनका प्रदर्शन शानदार रहा। जिसकी बदौलत बाग्लादेश ने मालदीव को 38-30 गोलो से हराया। हाफ टाईम तक विजेता टीम 18-11 गोलो से आगे थी। अल मुकतादीर महीन ने 13 गोल किये। मालदीव के लिए रशिद ने 9 और यसमू अहमद ने 8 गोल किये। मोहम्मद आशिकुर रहमान फहीम मैच के मोस्ट वैल्युएबल प्लेयर चुने गये। जिन्हे राजस्थान ओलिंपिक संघ के अध्यक्ष अनिल व्यास ने सम्मानित किया।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान,
मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929